52 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73(79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web : muzaffarnagarbulletin.co.in | यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 10.3 °c | अधिकतम 25.1 °c

अमृतवाणी

लफ्ज और उनको बोलने का लहजा ही होते हैं इंसान का आईना, शक्ल का क्या है, वो तो उम्र और हालात के साथ, अक्सर बदल जाती है।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 | संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा | रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

पीएम मोदी ने झारखंड में जेएमएम गठबंधन की जीत पर हेमंत सोरेन को बधाई दी : नयी दिल्ली

सूर्योदय : 6:50 सूर्यास्त : 5:20 | वर्ष : 52/ अंक : 325 रविवार, 24 नवम्बर 2024 मार्गशीर्ष, कृष्ण पक्ष, नवमी सम्वत् 2081 | मूल्य 3 रुपये | कुल पृष्ठ-4

यही है संविधान का सम्मान और लोकतंत्र के प्रति निष्ठा.....

मुस्लिम बंटा और कटा, मिथलेश पर पड़ी जीत की छटा

84304 मत प्राप्त करके मिथलेश पाल ने 30796 मतों के अंतर से की शानदार जीत हासिल, सपा की सुम्बुल राणा को 53508 मत मिले

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर विधानसभा उप चुनाव में गठबंधन प्रत्याशी ने 30796 मतों के बड़े अंतर से जीत हासिल कर अपना परचम लहराया है। दूसरे नम्बर पर 53508 मत प्राप्त करने वाली सपा की सुम्बुल राणा रही। वहीं तीसरे नम्बर पर आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी ने 22661 मत प्राप्त किये और एआईएमआईएम के प्रत्याशी अरशद राणा ने 18869 प्राप्त किए।

शनिवार को कूकड़ा मंडी मतगणना स्थल पर सुबह आठ बजे से गिनती शुरू हो गई। पहले ही राउंड से मिथलेश पाल ने बाढ़त हासिल की और अंतिम दौर तक बाढ़त हासिल करने का रिकॉर्ड बनाये रखा। पहले राउंड में मिथलेश पाल को 4253 मत प्राप्त हुए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी सपा की सुम्बुल राणा को 1698 मत प्राप्त हुए, वहीं पहले राउंड में आसपा के प्रत्याशी जाहिद हुसैन के मतदाताओं ने कमाल दिखाते हुए उनके हक में 1531 मत दिये। पहले राउंड में इतनी बड़ी संख्या में मत मिलने पर ऐसा महसूस होने लगा कि जैसे अगले राउंड में कहीं आसपा का प्रत्याशी मिथलेश पाल को टक्कर न दे दे, क्योंकि दूसरे राउंड में भी जाहिद हुसैन ने 1303 और तीसरे राउंड में 1332 मत प्राप्त किये। ऐसे में सुम्बुल के सभी समीकरण गड़बड़ाते दिखाई दिये और यह तस्वीर साफ होने लगी कि संभवतः सुम्बुल राणा की हार अब होनी शुरू हो गई है। यदि जाहिद हुसैन और एआईएमआईएम के मौहम्मद अरशद में मुस्लिम मतदाताओं का बंटवारा न होता तो फिर भी यह माना जा सकता था कि सुम्बुल राणा कहीं न कहीं मिथलेश पाल को टक्कर देती दिखाई देंगी। मगर जैसे जैसे राउंड बढ़ते चले गये, वैसे-वैसे जाहिद व मौहम्मद अरशद में मुस्लिम वोटों का बंटवारा होता दिखाई दिया और यह बंटवारा अंतिम राउंड तक निर्बाध रूप से चलता गया और अंतिम परिणाम में आसपा के प्रत्याशी जाहिद हुसैन को 22661 व एआईएमआईएम के प्रत्याशी मौहम्मद अरशद को 18869 वोट मिले। मुस्लिम मतों के इन्हीं दोनों के बीच कटने और बंटने के कारण ही मिथलेश पाल को शानदार जीत हासिल हुई। हालांकि मुस्लिम मतों का बड़ा हकदार एआईएमआईएम के प्रत्याशी अरशद राणा को ही माना जायेगा, क्योंकि अरशद राणा को 18869 मत पूरे पूरे मुस्लिम मत ही माने जा रहे हैं। जबकि आसपा के प्रत्याशी जाहिद हुसैन के पास बड़ी संख्या में दलित मत भी हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि जाहिद हुसैन को लगभग 12 हजार मुस्लिम मत प्राप्त हुए होंगे, बाकी के दस हजार दलित वोट भी उनको मिलते दिखाई दिये। ऐसे में 30 हजार के लगभग मुस्लिम मतों का विभाजन इन दो छोटे दलों के प्रत्याशी में होने से गठबंधन प्रत्याशी मिथलेश पाल की जीत का परचम लहर पाया।

मिथ्या निकली मुस्लिम प्रत्याशियों की यह बात कि मुस्लिम मतों को बूथों तक नहीं जाने दिया

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर उप चुनाव में कुल 1 लाख 85 हजार मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया था। मतदान के दिन मुस्लिम प्रत्याशियों ने यह रोना खूब रोया था कि मुस्लिम वोटरों को बूथों तक नहीं पहुंचने दिया गया और इन मुस्लिम बूथों की वोटिंग 40 से 45 प्रतिशत ही प्रत्याशियों द्वारा बताई जा रही थी, मगर शनिवार को मतगणना के दिन उक्त बात पूरी तरह से तब मिथ्या निकली, जब लगभग 80 हजार से भी अधिक मुस्लिम मतदाताओं के वोट डालने की तस्वीर खुलकर सामने आई। मुस्लिम मतदाताओं ने हिंदू मतदाताओं से भी अधिक लगभग 57 प्रतिशत मत डाले हैं, जबकि हिंदू मतदाताओं का यही आंकड़ा 52-53 ही रह गया। क्योंकि भाजपा व रालोद का मतदाता पहले से ही निराश अथवा वोट के प्रति उदासीन मतदाता बताया जाता है, उसी के चलते इस चुनाव में भी यही बात सामने आई है। मुस्लिम मतदाताओं के सामने हिंदू मतदाताओं का मतदान प्रतिशत अभी भी कम ही माना जा रहा है और यह तो तब है, जबकि चुनाव के बीच व उससे पहले ही विपक्ष के प्रत्याशियों ने वोट न डालने का रोना-रोना शुरू कर दिया था, यहां तक कि ककरौली इंस्पेक्टर द्वारा पिस्टल लहराने को भी मुद्दा बनाकर चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की गई और कई बूथों पर पुनः मतदान अपील की गई। इन्हीं सभी बातों से यह तस्वीर साफ हो चुकी है कि मुस्लिम मतदाताओं को खुलकर मतदान करने का मौका दिया गया और यदि मुस्लिम मतदाता मीरापुर विधानसभा पर और अधिक संख्या में होते तो न जाने मतदान का प्रतिशत 70 प्रतिशत तक पहुंचा देते। फिलहाल इस विधानसभा में 1.35 हजार मुस्लिम मतदाता का संख्याबल माना जाता है। ऐसे में अपने आप में यह वोट प्रतिशत शानदार है।

हार के बाद भी औवेसी प्रत्याशी की मूंछे हुई खड़ी, मकसद में हुए कामयाब

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। एआईएमआईएम के मतदाताओं ने बुलेटिन के कैमरे के सामने मीरापुर के मेन बाजार में यह बात खुलकर कही थी कि उनका उद्देश्य अपने प्रत्याशी को जिताना नहीं, बल्कि देश में मुस्लिम नेता की ताकत को बढ़ावा देना है, इन मतदाताओं ने मतदान दिवस पर बुलेटिन पर चली वीडियो में कहा था कि उनको पता है कि उनकी जीत नहीं होगी, लेकिन इस बार अखिलेश यादव को धूल चटानी है और इस चुनाव के परिणाम आने के बाद मुस्लिम मतदाताओं की बात पूरी तरह सच निकली और उन्होंने अपनी ओर से पूरी ताकत लगाकर अरशद राणा को 18869 मत दिए,

जो कि मुस्लिम प्रत्याशियों में तीसरे नम्बर पर माने जायेंगे। उन्हें आसपा के जाहिद हुसैन से भी अधिक वोट मुस्लिमों के मिले। हार के बाद जब अरशद राणा से मीडिया ने बातचीत की तो उन्होंने भी अपना मकसद यही बताते हुए कहा कि जो उनका मकसद था एक प्रत्याशी के परिवार के परिवार को हार दिलाना, उन्होंने देशी कहावत को चरितार्थ करते हुए कहा कि लवारा मरे सो मरे, पर भैंस नहीं मरनी चाहिए। बेशक लवारा मारे तो मारे भैंस नहीं बचने की। मीडिया ने उनसे जब यह सवाल किया कि हार के बाद भी तुम्हारी मूंछे खड़ी हैं, तो कहा कि हर बात को कैमरे के सामने उजागर करना जरूरी नहीं है, कि ये मूंछे खड़ी क्यों हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग यह समाते थे कि वो एकछत्र राज करेंगे, आज उनका मुगालता दूर हो गया होगा कि एकछत्र राज किसी का नहीं रहता।

अखिलेश हिंदू प्रत्याशी उतारते तो हो जाती जीत

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। सपा मुखिया शायद यह स्वीकार तो नहीं करेंगे, मगर सच यही है कि यदि सपा से कोई हिन्दू प्रत्याशी चाहे वह गुर्जर अथवा सैनी जाति का ही क्यों न होता और वह हिंदू मतों के साथ मुस्लिम मत भी हासिल करता तो किसी भी सूरत में यहां भाजपा रालोद गठबंधन की जीत न होती, बुलेटिन का मानना है कि यहां 2027 में हर हाल में सपा मुखिया इस भूल का सुधार करते दिखाई देंगे और किसी न किसी ओबीसी जाति अथवा किसी अन्य जाति का हिंदू उम्मीदवार ही इस सीट पर उतारेंगे।

अकेले हिन्दू प्रत्याशी होने का मिला मिथलेश को पूरा लाभ, शानदार चुनाव लड़ी सुम्बुल राणा

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। शुरू दिन से ही मीरापुर उप चुनाव हिंदू मुस्लिम चुनाव माना जा रहा था और मिथलेश साफतौर पर इसलिए जीतती दिखाई पड़ रही थी क्योंकि लगातार मैदान में चार मुस्लिम प्रत्याशी दमदारी से उतरे थे। यदि किसी भी बड़ी पार्टी से कोई हिंदू प्रत्याशी उतारा जाता तो मिथलेश की जीत नामुमकिन थी और रही सही कसर मुस्लिम मतों में बिखराव ने पूरी कर दी। मुस्लिम मतों के इतने बड़े बिखराव की दूर-दूर तक भी संभावना नहीं थी। तीन मुस्लिम प्रत्याशियों में मुस्लिमत वोटों का बिखराव हुआ तो ही मिथलेश की जीत सुनिश्चित हो सकी। सुम्बुल राणा ने भी कमाल का चुनाव लड़ा। खुद के सामने तीन मुस्लिम प्रत्याशी होने के बावजूद भी सपा का मुस्लिमों से मोह भंग नहीं होने दिया और अकेले मुस्लिमों की 53508 वोट प्राप्त की। यदि मुस्लिम एकजुट हो जाता तो भी मिथलेश का जीतना नामुमकिन था, इस हार से 2027 के लिए मुस्लिम मतदाता सबक लेगा या नहीं, यह तो समय के गर्भ में है, मगर यह तय है कि यदि 2027 में गठबंधन अथवा भाजपा के सामने कोई दमदार हिंदू प्रत्याशी किसी दमदार पार्टी से खड़ा हुआ तो इस विधानसभा को जीत पाना फिर मुश्किल हो जायेगा। फिलहाल बेशक सुम्बुल राणा की हार हुई हो, मगर सपा की साइकिल में थोड़ी बहुत ही हवा कम हुई है, अखिलेश का जलवा अभी भी मुस्लिमों के बीच बरकरार और नम्बर वन पर है।

यूं ही चलती रही जीएसटी की छापेमारी तो 27 में मुजफ्फरनगर में भाजपा की आखिरी बारी

चुनावी माहौल भी नहीं देखा जीएसटी टीम ने और कर दी भाजपा नेता के घर छापेमारी

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर उपचुनाव की मतगणना से पहले शनिवार को भाजपा नेता व चेयरमैन पति गौरव स्वरूप तथा एसडी ग्रुप से जुड़े आकाश कुमार के घर छापेमारी कर जीएसटी टीम ने दिन निकलते ही तहलका मचा दिया। सुबह लगभग 4:30 बजे जीएसटी टीम चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप के घर पहुंची और सभी के मोबाइल बंद करा दिये गए, जिसके बाद टीम ने अपनी कार्यवाही शुरू करते हुए पूछताछ के बाद गौरव के पुत्र व पुत्रवधू को अपनी गिरफ्त में ले लिया। उसके बाद जब टीम पुत्र कार्तिक व पुत्रवधू को देहरादून ले जाने की जिद करने लगी तो गौरव ने खुद भी साथ चलने को कहा और साथ बैठकर देहरादून चले गए। मामला जीएसटी की रिकवरी से जुड़ा था। इसी मामले में टीम एसडी ग्रुप से जुड़े आकाश कुमार के घर भी पहुंची मगर वहां आकाश कुमार नहीं मिले। देर शाम गौरव परिवार सहित जीएसटी टीम से बातचीत करके कर भुगतान कर वापस लौट आए। दरअसल पिछले कुछ दिनों पहले जीएसटी विभाग ने गौरव की कई संस्थाओं जिनमें एसडी मैडिकल भी शामिल है पर छापेमारी की थी। इस मामले में गौरव स्वरूप व आकाश द्वारा स्टे ले लिया गया था और स्टे की शर्तों के अनुसार सुप्रीम कोर्ट ने कोरोसिव आदेश जारी करते हुए कहा था कि उक्त प्रकरण में किसी प्रकार की कोई गिरफ्तारी न की जाए और न ही थाने बुलाया जाए मगर उन आदेशों को समाप्त हुए लगभग 20-25 दिन हो चुके थे। जीएसटी टीम को भी यह पता था कि आज मतगणना के दिन तहलका मचाने का अच्छा अवसर है तो मौके की तलाश करते हुए मतगणना के दिन ही छापेमारी की गयी, जिससे कोई भी बड़ा भाजपा नेता इस मामले में हस्तक्षेप न कर पाए और ऐसा ही हुआ। बेशक कोई भाजपा का बड़ा नेता जीएसटी के मामले में हस्तक्षेप न कर पाया हो मगर मुजफ्फरनगर जनपद में लगातार जीएसटी की छापेमारी से उद्योगजगत ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे कारोबारियों में भी दहशत का माहौल व्याप्त है। इसी दहशत के चलते 2027 में बेशक उत्तर प्रदेश में योगी सरकार पुनः आसीन हो जाए मगर मुजफ्फरनगर में भाजपा की जीत नामुमकिन हो जाएगी, क्योंकि दहशत फैलाने वाले विभागों में सिर्फ जीएसटी ही नहीं अन्य कई विभाग भी बीजेपी वोटर्स को अपनी कार्यवाही से डराने का काम कर रहे हैं। अब यह वोटर यह भी नहीं सोचता की जीएसटी की कार्यवाही वाजिब कार्यवाही है, भाजपा वोटर का कहना है कि जीएसटी विभाग ने न समोसे तलने वालों को छोड़ा, न मिठाई विक्रेताओं और न उद्योगपतियों को और अब तो टीम केन्द्र से आने लगी है। कार्यकर्ताओं ने याद दिलाया कि हाल ही में हुए सांसदी के चुनाव में भी एक उद्योगपति के साथ यही हुआ था वहां भी सेन्ट्रल से टीम आई थी और संजीव बालियान का चुनाव प्रभावित कर गयी थी, मगर कोई भी सेंट्रल का नेता कुछ नहीं कर पाया।

लोकदल के उस नेता को नमन, जिसने जयंत को संदेश भिजवाया था कि लोकल अखबार छोटे होते हैं

मतगणना से पूर्व मिथलेश की जीत छोटे अखबार ने ही विश्वास के साथ लिख दी थी

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। छोटे-छोटे नेता कभी-कभी अपने नम्बर बढ़ाने के लिए अपने आकाओं के सामने छोटी-छोटी बातें भी कर जाते हैं। ऐसा ही कुछ चुनाव से पूर्व लोकदल के एक स्थानीय नेता ने जयंत चौधरी तक यह बात पहुंचाई थी कि लोकल अखबार छोटे होते हैं, इसलिए उन्हें नजर अंदाज कर देना। जयंत चौधरी ने भी स्थानीय नेता जी की बात मानकर ऐसा ही किया। मगर छोटे अखबार मुजफ्फरनगर बुलेटिन ने मतदान होते ही मिथलेश पाल की जीत की घोषणा के साथ यह भी लिख था कि मिथलेश की जीत 15 हजार मतों से अधिक से होगी। ऐसे में आज 30 हजार से अधिक मतों से जीतने के बाद छोटे नेता जी को छोटे अखबार का बड़ा अंदाजा हो गया होगा कि उनके कहने मात्र से कोई छोटा नहीं हो जाता। हालांकि जयंत चौधरी के सामने अपने नम्बर बढ़ाने वाले इन नेता जी का टिकट बहुत चाहने के बाद भी पहले ही कट गया था और संभवतः इनकी छोटी हरकत से आने वाले कई सालों तक इन नेता जी का छोटे समाचार पत्रों द्वारा किसी कार्यक्रम के दौरान उपस्थिति के बावजूद नाम ही न लिखा जाये।

यूपी की नौ में सात पर भाजपा-रालोद, दो पर सपा

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसी)। 20 नवंबर को यूपी की 9 सीटों पर उपचुनाव को लेकर मतदान हुआ था। आज (23 नवंबर) सभी 9 सीटों का परिणाम आ गया है, जिसमें मीरापुर, गाजियाबाद, कुंदरकी, खैर, कटेहरी, मझवां और फूलपुर पर बीजेपी और आरएलडी ने जीत दर्ज की है। मीरापुर सीट सहयोगी आरएलडी जीती है। सपा सीसामऊ और करहल सीट जीती है। इन उपचुनावों को 2027 में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इन उपचुनावों में पूरी ताकत लगा दी थी।

गाजियाबाद विधानसभा उपचुनाव

गाजियाबाद शहर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी संजीव शर्मा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। भाजपा उम्मीदवार ने यहां सपा प्रत्याशी सिंह राज जाटव को 70,600 वोटों के बड़े अंतर से हराया है।

करहल विधानसभा सीट

करहल विधानसभा सीट पर समाजवादी पार्टी को जीत मिली है। यहां सपा नेता तेजप्रताप यादव ने अपने फूफा भाजपा उम्मीदवार अनुजेश यादव को हराया है। सपा का गढ़ कहे जाने वाली करहल सीट पर अनुजेश यादव ने सपा को कड़ी टक्कर दी। तेजप्रताप यादव ने अनुजेश यादव को सिर्फ 14,702 वोटों से हराया है। तेजप्रताप यादव को जहां 1,04,207 वोट मिले तो दूसरी तरफ भाजपा उम्मीदवार को 89,505 वोट मिले।

मीरापुर विधानसभा सीट

मीरापुर विधानसभा सीट पर भी भाजपा नीत एनडीए ने जीत हासिल की है। यहां रालोद की मिथलेश पाल ने विजय हासिल की है। यहां सपा की तरफ से सुंबुल राणा और बसपा की तरफ से शाहनजर मैदान में थे। मगर जीत की बाजी एनडीए प्रत्याशी के हाथ लगी।

कुंदरकी विधानसभा सीट

कुंदरकी विधानसभा सीट भाजपा का गढ़ माना जाता था। कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रामवीर सिंह ने 32वें राउंड की गिनती के बाद ऐतिहासिक जीत हासिल की। रामवीर सिंह ने सपा के उम्मीदवार मोहम्मद रिजवान को हराकर कुंदरकी सीट पर विजय प्राप्त की। रामवीर सिंह को 168526 वोट जबकि रिजवान को 25334 वोट मिले। रामवीर ने सपा के उम्मीदवार को 143192 वोटों से हराया।

सीसामऊ विधानसभा सीट

कानपुर की सीसामऊ विधानसभा सीट पर सपा के पूर्व एमएलए इरफान सोलंकी के इस्तीफे के बाद उपचुनाव हुआ था। सपा ने यहां से उनकी पत्नी नसीम सोलंकी को उम्मीदवार बनाया था। सीसामऊ में सपा 8600 वोट से जीती है, जबकि 2022 में सपा ने इस सीट पर 12000 से ज्यादा वोटों से जीती थी। करहल में 2022 में 67500 वोटों से जीते थे, इस बार यह जीत का अंतर 14000 वोटों का रह गया है।

फूलपुर विधानसभा सीट

फूलपुर विधानसभा सीट से भाजपा ने दीपक पटेल को मैदान में उतारा था। दूसरी तरफ सपा ने यहां से मो। मुज्तबा सिद्दीकी को टिकट दिया था। यहां भाजपा उम्मीदवार ने सपा के मो। मुज्तबा सिद्दीकी को 10 हजार वोटों से हराया है।

खैर विधानसभा सीट

अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट पर भाजपा ने सुरेंद्र सिंह को टिकट दिया था। दूसरी तरफ सपा ने इस सीट से चारु केन को मैदान में उतारा था। मगर यहां भाजपा ने जीत हासिल की है। भाजपा प्रत्याशी ने सपा प्रत्याशी को 38,503 वोटों से हराया है और बड़ी जीत हासिल की है। मिजार्पुर की मझवां विधानसभा सीट पर उपचुनाव का

शेष - पृष्ठ-4 पर

सर्वे में सहयोग देने पर बुलेटिन ने अपने पाठकों का किया धन्यवाद

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मुजफ्फरनगर बुलेटिन के द्वारा मतदान के दिन ही किये गये सर्वे में मीरापुर के बुलेटिन पाठकों एवं आम मतदाताओं जो सहयोग दिया, बुलेटिन संपादक द्वारा ऐसे पाठकों का वीडियो के माध्यम से आभार व्यक्त किया है।

आपको बता दें कि मुजफ्फरनगर बुलेटिन द्वारा 21 नवम्बर के समाचार पत्र में 15 हजार से अधिक मतों की जीत गठबंधन मिथलेश पाल की लिख दी गई थी और यह आंकड़े हवा हवाई नहीं थे। मुजफ्फरनगर बुलेटिन के मुताबिक आंकड़े देते हुए यह लिखा गया था कि दो लाख मतों में से एक लाख 42 हजार मत के आसपास हिंदू मत पड़ने की संभावना है, जिनमें 52 प्रतिशत मत हिंदू मत हुए तो मिथलेश पाल को 73840 मत प्राप्त होंगे, मगर यह प्रतिशत और अधिक बढ़ा तो मिथलेश पाल को 84304 मत प्राप्त हुए, वहीं सुम्बुल राणा के 69 हजार मतों का आकलन किया गया था, मगर तब तक औवेसी के मतों का जोर नहीं था। मतदान के दिन जब यह जोश दिखा तो औवेसी के प्रत्याशी ने सुम्बुल राणा के वोट घटा दिए और सुम्बुल राणा को 53508 मत प्राप्त हुए। आसपा प्रत्याशी के हिस्से में 20 हजार वोट लिखे गये थे, उसी के आसपास आसपा के प्रत्याशी को 22661 मत मिले। इसी तरह एआईएमआईएम के अरशद राणा को 12 से 15 हजार वोट मिलने की संभावना थी, उन्हें 18869 मत मिले। चूंकि सर्वे के दौरान थोड़ा बहुत ऊपर नीचे मतों का आंकड़ा रह ही जाता है, मगर कुल मिलाकर बुलेटिन के सर्वे के आंकड़े लगभग आम मतदाताओं की उम्मीद पर खरे उतरे और 30 हजार मतों से ज्यादा के अंतर से मिथलेश पाल की जीत हुई।

एनडीए की सुनामी में धराशायी हुई कांग्रेस एंड पार्टी

- महाराष्ट्र में मिली अब तक की सबसे बड़ी हार
- उद्धव ठाकरे की शिवसेना को भी वोटर ने ठुकराया
- चुनाव में चाचा शरद पवार पर भारी पड़े अजित पवार

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसी)। कांग्रेस ने शनिवार को महाराष्ट्र में अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन किया। 288 विधानसभा सीटों वाली विधानसभा में सभी पूर्वानुमानों को ध्वस्त कर दिया। महाराष्ट्र में कुल 288 सीटों में महायुति की 234 सीटों में बीजेपी को 133, शिंदे गुट-57, अजित गुट को 41 सीटों पर विजय मिली। दूसरी ओर महाविकास आघाडी में उद्धव सेना 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी। यहां कांग्रेस 15 और शरद गुट 10 सीटों पर सिमट गई। कांग्रेस ने नांदेड का लोकसभा उप चुनाव भी खो दिया। इससे विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में कांग्रेस की स्थिति और कमजोर हुई है, जबकि अन्य सहयोगी दल बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति की जीत में

बीजेपी को 133 और शिवसेना शिंदे को 57 सीटों पर जीत मिली। सत्तारूढ़ महायुति की प्रचंड जीत में अजित पंवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 41 सीटों पर जीत हासिल की है। पिछले साल जब जुलाई में अजित पवार अपने चाचा शरद पवार से अलग हुए थे। तब उनके साथ इतने ही विधायकों ने

शेष - पृष्ठ-4 पर

निःशुल्क परामर्श | निःशुल्क परामर्श

निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श शिविर

सप्ताह के प्रत्येक रविवार को
समय – प्रातः 11 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक

डॉ. शिमलेश कुमार
पूर्व चिकित्साधिकारी
वरिष्ठ चिकित्सक
44 वर्षों का आयुर्वेदिक चिकित्सा अनुभव

निम्नलिखित बीमारियों सहित रोगों का निदान आयुर्वेदिक चिकित्सा द्वारा किया जायेगा :-

- सिरदर्द, मिर्गी
- जटिल सिर दर्द (माइग्रेन)
- गुर्दे व पित्त की पथरी
- नसों का दर्द
- हाथ पैरों में कम्पन
- भूलना (अल्जाईमर)
- दिमागी बुखार
- पीठ दर्द
- लकवा
- शुगर, ब्लड प्रेशर
- सर्वाइकल का दर्द
- चक्कर, अनिद्रा
- मानसिक तनाव
- पुरानी खाँसी, नज़ला
- शीघ्रपतन, सूजन
- नींद का अधिक या कम आना
- न्यूरोलॉजिकल यौन एवं मूत्र सम्बंधी समस्या

सभी क्षेत्रवासियों से आग्रह है कि चिकित्सा शिविर का भरपूर लाभ प्राप्त करें

आरना एम्पायर

48, द्वारकापुरी, L.I.C. वाली गली, गली नं. 3, भोपा रोड, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर
0131-7960087, 9219675555
नोट : सभी दवाईयाँ होल सेल रेट पर मिलेगी।

फोटो बुलेटिन — मीरापुर उप चुनाव के लिए मतगणना स्थल बनाये गये नवीन मंडी स्थल की ओर जाने वाले रास्ते पर की गई बेरिकेडिंग, गश्त करते पैरा मिलिट्री फोर्स के जवान तथा नो मैन्स जोन बनाने के कारण बालाजी रोड पर छाया सन्नाटा।

आज का इतिहास

नई दिल्ली, 23 नवंबर (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 24 नवंबर की महत्त्वपूर्ण घटनाएं इस प्रकार है। 1859- चार्ल्स डार्विन की ऑन द ओरिजिन आफ स्पेशीज का प्रकाशन। 1874: अमेरिका के खोजकर्ता जोसेफ फरवेल ग्लिडन ने वाणिज्यिक रूप से सफल कांटेदार तार का पेटेंट हासिल किया। 1926: प्रख्यात दार्शनिक श्री अरविंदो को पूर्ण सिद्धि की प्राप्ति। 1963: अमेरिका के राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या करने वाले व्यक्ति की हत्या। हमलावर ने डलास थाने में उसे बहुत करीब से गोली मारी। 1966: कांगो की राजधानी किंशासा में पहला टीवी स्टेशन खुला। 1986: तमिलनाडु विधानसभा में पहली बार एक साथ विधायकों को सदन से निष्कासित किया गया। 1988: दल-बदल कानून के तहत पहली बार लोकसभा सांसद लालदूहोमा को अयोग्य करार दिया गया। वो मिजोरम से कांग्रेस के सांसद थे। 1989: चेकेस्लोवाकिया में तत्कालीन कम्युनिस्ट पार्टी के पूरे नेतृत्व ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे कर एक नए युग की शुरुआत की। 1992: चीन का घरेलू विमान दुर्घटनाग्रस्त, 141 लोगों की मौत। 1998: एमाइल लाहौद ने लेबनान के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। 1999: भारत की कुंजुरानी देवी ने एथेंस में विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर बड़ी उपलब्धि हासिल की। 2001: तुर्की की ग्रैंड नेशनल एसेम्बली ने देश के कानून में बदलाव करके महिलाओं को कानूनी तौर पर पुरुषों के बराबर ला खड़ा किया। 2006: पाकिस्तान और चीन ने एक मुक्त व्यापार क्षेत्र संधि पर हस्ताक्षर किये तथा अवाक्स बनाने पर भी सहमति हुई। 2007: पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ आठ वर्षों के निर्वासन के बाद स्वदेश लौटे। 2018: भारतीय महिला मुक्केबाजी की सुपरस्टार एम सी मेरीकॉम (48 किग्रा) ने दसवीं महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। 2020: भारत ने अली एक्सप्रेस, अलीपे कैशिअर, कैमकार्ड समेत 43 और चीनी मोबाइल ऐप पर पाबंदी लगायी।

आपका आज का राशिफल

रविवार, 24 नवम्बर, 2024

मेष- ग्रहस्थिति अनुकूल, विचारित योजना का कार्यान्वयन, धन लाभ का सुअवसर, दाम्पत्य जीवन संतोषजनक, प्रेम संबंध में अत्यधिक प्रगाढ़ता।
वृषभ- मनोबल में कमी, सामयिक सिद्धि का प्रयास असफल, दूसरों की गलतफहमी से हानि की आशंका, विवाद की स्थिति, धनोपार्जन में व्यवधान।
मिथुन- दिन शुभ, पारिवारिक उलझनें समाप्त, व्यवसाय में परिश्रम के अनुरूप सफलता, उच्चाधिकारियों से सहयोग, अध्यावसाय में रुझान, यात्रा सफल।
कर्क- वाक्पटुता से संकल्प सिद्धि, इच्छाशक्ति का विकास, सामाजिक कृत्यों से यश की प्राप्ति, जिम्मेदारियों को निभाने में व्यय, पारिवारिक कठिनाइयों में कमी।
सिंह- भाग्योन्नति के नवीन आयाम, धन संचय में प्रवृत्ति, उन्नति का मार्ग प्रशस्त, जीवनसाथी से सहयोग, किसी उत्सव में सम्मिलित होने का सुअवसर प्राप्त।
कन्या- कार्यो में व्यतिक्रम, सुख शांति का अभाव, लाभ में गतिरोध, किये जा रहे प्रयास में व्यवधान, मित्रों से तकरार की आशंका, पदोन्नति में बाधा।
तुला- आर्थिक पक्ष में परिश्रम के अनुकूल सफलता, वरिष्ठजनों की सलाह लाभप्रद, पठन-पाठन में रुचि, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, यात्रा सुखद।
वृश्चिक- कार्य-व्यवसाय में उन्नति का सुयोग, मित्रों से अपेक्षित सहयोग, मंगल आयोजन सम्पन्न, पारिवाकि उत्तरदायित्व की पूर्ति, राजनीतिक लाभ।
धनु- विचारित योजना का कार्यान्वयन, बकाए धन की प्राप्ति, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, राजनैतिक गतिविधियों में अभिरुचि, मंगल आयोजन सम्पादित, यात्रा सुखद।
मकर- भाग्योदय का मार्ग अवरुद्ध, महत्वपूर्ण उपलब्धि में विलम्ब, आर्थिक नुकसान, सब कुछ होते हुए भी अकेलेपन की अनुभूति, वैचारिक स्थिरता।
कुम्भ- बुद्धि चातुर्य से कुछेक मसला हल, पारिवारिक हर्षोल्लास, धन संचय में रुचि, आत्मिक शांति, आनन्द की अनुभूति, मनो-विनोद के सुअवसर प्राप्त।
मीन- कार्य-व्यवसाय अर्थ पक्ष में लाभ, योजना साकार होने की ओर, राजकीय पक्ष से अनुकूलता, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग, राजनैतिक कृत्यों में संलग्न।

विमल जैन, हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न परामर्शदाता, फलित अंक व ज्योतिषी एवं वास्तुविद्, एस-2/1-76,ए, वर्धन भवन, द्वितीय तल, आकांक्षा हॉस्पिटल के पास, टैगोर टाऊन एक्सटेंशन (महावीर मंदिर टू यू.पी. कालिज रोड) भोजूबीर, वाराणसी-221002 मोबाइल 9335414722

चप्पे-चप्पे पर रही पुलिस की गिद्ध दृष्टि, पूरे दिन छावनी बना रहा मतगणना परिसर नवीन मंडी स्थल

एसएसपी अभिषेक सिंह करते रहे भ्रमण, संभाले रखी पूरी सुरक्षा कमान

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की मतगणना भारी पुलिस सुरक्षा के बीच सकुशल सम्पन्न हुई। मतगणना स्थल पर बाहर व अन्दर की तरफ भारी पुलिस व पैरामिलिट्री फोर्स को जगह-जगह तैनात किया गया था। दिनभर एसएसपी अभिषेक सिंह खुद ही सुरक्षा की कमान सम्भाले रहे। मतगणना स्थल के चारों तरफ बेरिकेडिंग कर सुरक्षा का चक्रव्यूह बनाया गया था। शनिवार को उपचुनाव की मतगणना को लेकर पुलिस ने पहले से ही सुरक्षा का खाका तैयार किया था। उसी खाके के मुताबिक एसएसपी अभिषेक सिंह ने सीओ व थाना प्रभारियों को अलग-अलग प्वाइंट पर तैनात किया था। मतगणना स्थल के बाहर बालाजी चौक, विश्वकर्मा चौक, टिकैत चौराहे, गांधीनगर चौराहा, कूकड़ा ब्लॉक पर अलग-अलग थाना प्रभारियों की ड्यूटी लगाई गयी थी। वहीं मतगणना स्थल के अन्दर चारों तरफ बेरिकेडिंग कर रास्ते बंद किए थे। शिवमन्दिर के पास बने रास्ते से सभी को एंट्री दी गयी। एंट्री प्वाइंट पर मेटल डिटेक्टर रुम बनाया गया था। वहां से अधिकारियों व मीडियाकर्मियों व अन्य को प्रवेश सुरक्षा में कराया गया, जिस स्थान पर मतगणना चल रही थी। उस एरिया को भी पूरी तरह सुरक्षा में रखा गया था। दिनभर एसएसपी अभिषेक सिंह, अधीनस्थ अधिकारी एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत, एसपी देहात आदित्य बंसल, एसपी क्राइम प्रशांत कुमार प्रसाद, एसपी ट्रैफिक अतुल कुमार चौबे के साथ मौजूद रहे।

डीआईजी अजय साहनी ने किया मतगणना स्थल का निरीक्षण, लिया व्यवस्था का जायजा

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मतगणना स्थल पर सहारनपुर रेंज के डीआईजी अजय साहनी ने पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीआईजी ने एसएसपी के साथ मतगणना स्थल का निरीक्षण कर पुलिसकर्मियों को दिशा निर्देश दिए। मीरापुर उपचुनाव की मतगणना नवीन मंडी में हुई। मतगणना को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये भारी पुलिस फोर्स तैनात की गई। मतगणना स्थल के चारों और बेरिकेडिंग लगाकर फोर्स को तैनात किया गया। सहारनपुर रेंज के डीआईजी अजय साहनी मतगणना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने एसएसपी के साथ मिलकर मतगणना स्थल का निरीक्षण करते हुए दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया।

दिल्ली में ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए लगाना होगा स्टीकर

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसी)। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों को अब अपने वाहन पर ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए स्टीकर लगाना होगा। इसके लिए परिवहन विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया दिल्ली में वाहन मालिकों को अब क्रोमियम-आधारित होलोग्राम स्टिकर लगाना अनिवार्य होगा। स्टिकर, जांच के दौरान वाहन के ईंधन के प्रकार को पहचानने में मदद करेगा। यह नियम एक अप्रैल, 2019 से खरीदे गए नए वाहनों और 31 मार्च, 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों दोनों पर लागू होगा। वाहन की विंड स्क्रीन पर स्टीकर चिपकाना होगा। पुराने वाहनों के मालिकों को स्टिकर लगाने के लिए अपने संबंधित वाहन डीलरों से संपर्क करना होगा।

मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास, योगी ने फिर दोहराया 'बटेंगे तो कटेंगे'

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसी)। यूपी उपचुनाव में मिली जीत के बाद भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ कुछ देर में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इससे पहले भाजपा कार्यालय में पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सीएम का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि नौ में से सात सीटों पर जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। पीएम पर लोगों को अटूट विश्वास है। ये जीत उसी का प्रमाण है। हम सब जनता का आभार व्यक्त करते हैं। सपा और इंडी की लूट और झूठ की राजनीति की समाप्ति की शुरूआत का ये परिणाम है। कहा कि जो जनादेश महाराष्ट्र में मिला, ये राम और राष्ट्र के आराधक का भारत की जीत है। आंबेडकर का अपमान करने वालों की पराजय है। आज फिर से स्पष्ट हुआ है कि देश की जनता को मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर अटूट विश्वास है। तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता के शॉर्टकट से सरकार बनाने का सपना देख रहे इंडी गठबंधन की ये पराजय है। यूपी उपचुनाव के बारे में सपा ने मतदान के दिन से जो प्रलाप किया, उस पर जनता ने जो जवाब दिया है, कुंदरकी उसका उदाहरण है। सपा की जमानत जब्त होने वाली है। सपा सीसामाऊ के चुनाव को रद करना चाहती थी। अब सिर्फ आठ हजार से जीत पाए हैं। करहल में सपा सिर्फ 14 हजार वोट से जीती है। जो केशव मौर्य ने कहा है उस ओर हम बढ़ रहे हैं। सीएम ने दोहराया बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। ये देश की जनता ने माना है। कुंदरकी पर कहा कि राष्ट्रवाद, जड़ और मूल की जीत सबको अपना गोत्र याद आया। अपनी जीत याद आती है। इससे पहले सीएम योगी ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर पोस्ट किया। लिखा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा उपचुनावों में भाजपा-एनडीए की विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा-सुशासन एवं जन-कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सफल है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि उत्तर प्रदेश के सुशासन और विकास को अपना मत देने वाले उत्तर प्रदेश के सम्मानित मतदाताओं का आभार। सभी विजयी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई। उन्होंने एक बार फिर सचेत किया कि बटेंगे तो कटेंगे। एक रहेंगे-सेफ रहेंगे।

बिहार उपचुनाव-तेजस्वी यादव के साथ लालू प्रसाद भी नाकाम

पटना, 23 नवंबर (एजेंसी)। बिहार विधानसभा की चार सीटों के लिए 13 नवंबर को हुए मतदान के बाद 23 नवंबर को हुई मतगणना ने सियासी तस्वीरों को स्पष्ट कर दिया। इस बार चार-शून्य से महागठबंधन को हार मिली है। चार में से तीन सीटें महागठबंधन के पास थी, जिसमें लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनता दल के पास दो सीटें थी जबकि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी लेनिनवादी के पास एक सीट थी। शनिवार दोपहर तक चारों सीटों पर उपुचनाव के नतीजे सामने आए तो सियासी गलियारे के एक खेमे में जश्न का माहौल है और दूसरे में मायूसी। तीन सीटों पर 2020 के विधानसभा चुनाव में जीतने वाले महागठबंधन को हार मिली। वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक हिंदुस्तानी आवामी मोर्चा ने अपनी एक सीट कायम रखी। यानी तीन-एक के मुकाबले जहां महागठबंधन आगे था वहां अब चार-शून्य के गणित से महागठबंधन ध्वस्त हो चुका है। तीन सीटों (रामगढ़, बेलागंज, तरारी) पर प्रतिष्ठा बचाने और एक सीट (इमामगंज) को जीतने के लिए तेजस्वी यादव ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी। राजद का गढ़ माने जाने वाले बेलागंज में राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव खुद भी प्रचार के लिए उतरे थे। उन्होंने जहानाबाद के सांसद सुरेंद्र यादव के बेटे डॉ. विश्वनाथ के लिए वोट भी मांगा। मुस्लिम-यादव पर भी खूब फोकस किया था। दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को भी बुलाया गया। लेकिन, इन सबके बावजूद राजद जीत नहीं मिली। हां, जीत के साथ बेलागंज जदयू की इंट्री जरूर हो गई।

असम उपचुनाव: एनडीए ने लहराया परचम, पांचों सीटों पर क्लीन स्वीप

गुवाहाटी, 23 नवंबर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों ने असम में हुए सभी पांच विधानसभा में शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को मतगणना पूरी हुई, जिसमें भाजपा और उसके गठबंधन के उम्मीदवारों ने बड़े अंतर से जीत हासिल की। समागुरी में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए, भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ में सेंधमारी की। जीत से पार्टी के नेतृत्व में खुशी की लहर दौड़ गई। असम में पांचों विधानसभा उपचुनाव में शानदार जीत के लिए अमस के मुख्यमंत्री ने लोगों का आभार जताया है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इसे अच्छे शासन और विकास के प्रति लोगों के समर्थन का प्रमाण बताया।

सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकड़ा ने वॉलीबाल ट्राफी पर किया कब्जा

मीरांपुर, 23 नवम्बर (बु.)। ज्ञानस्थली पब्लिक स्कूल में आयोजित श्री रामदास हेवा मेमोरियल इन्टर स्कूल वॉलीबाल टूर्नामेंट में विभिन्न जिलों की 23 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबले में सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकड़ा मुजफ्फरनगर की टीम ने एच.एम. पब्लिक स्कूल बिजनौर की टीम को पराजित कर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। ज्ञान स्थली पब्लिक स्कूल में आयोजित वॉलीबाल टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि रिटायर्ड मेजर सुनील कुमार शर्मा (एनसीसी अधिकारी मेरठ) व विशिष्ट अतिथि नेशनल वॉलीबॉल खिलाड़ी जोनित राणा ने विद्यालय के संस्थापक व पूर्व एमएलसी श्री रामदास हेवा की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि मेजर सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि समाज को सही दिशा देने का दायित्व शिक्षक का होता है। खिलाड़ियों को खेल के मैदान में उतरकर ईमानदारी से खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए। खेलों से हमारा मानसिक व शारीरिक विकास होता है। वॉलीबाल टूर्नामेंट में स्प्रिंग डेल्स स्कूल मवाना, के. के. पब्लिक स्कूल खतौली, हिमालय स्कूल मुजफ्फरनगर, ज्ञानदीप स्कूल लालूखेड़ी, ज्ञानस्थली स्कूल मीरांपुर, सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकड़ा, एस. डी. ग्लोबल स्कूल निराना, होली एंजल्स कॉन्वेंट स्कूल मुजफ्फरनगर, मैरीटा पब्लिक स्कूल बिजनौर, गोल्डन बेल्स स्कूल नंगला, इंद्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल मोरना, दी एस.डी. स्कूल मुजफ्फरनगर, मेपल्स एकेडमी बुढ़ाना, संस्कार भारती कॉन्वेंट स्कूल सहारनपुर, एच.एम. पब्लिक स्कूल बिजनौर, गोल्डन पब्लिक स्कूल मुजफ्फरनगर, विद्यादीप ग्लोबल स्कूल मेरठ, एम्बिशन इंटरनेशनल स्कूल बहसुमा, आर्यन इंटरनेशनल स्कूल जानसठ, डी. पी. एम. स्कूल बहसुमा, डी मोंटफोर्ट, वेदांता स्कूल सिखेड़ा, सिल्वर ओक स्कूल पीनना समेत कुल 23 स्कूलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। सभी टीमों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ। टूर्नामेंट में फाइनल मुकाबला गत वर्ष की विजेता एच.एम. पब्लिक स्कूल बिजनौर व सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकड़ा की टीमों के बीच हुआ, जिसमें सेंट जेवियर्स ग्लोबल स्कूल रहकड़ा की टीम ने एच.एम. पब्लिक स्कूल बिजनौर की टीम को 15-09 के अंतर से पराजित करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। विद्यालय प्रबंधन ने विजेता व उप विजेता टीम को प्रतीक चिह्न व चेक देकर सम्मानित किया। निर्णायक मण्डल में अजीत तोमर, उज्ज्वल पोल, नितिन चौधरी, गगन चौधरी, नवीन देशवाल, विजय सिंह एवं मोहित चौधरी रहे। विद्यालय चेयरमैन बी.पी. सिंह, निदेशक रोहित कुमार एवं प्रधानाचार्य दीपक कुमार धीमान ने सभी प्रतिभागी स्कूल टीमों एवं आगंतुको का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन आस्था, आराध्या, अलका, अवनी, राघव, हरमन धारिया, अस्मिता, गौरांक चितवन, स्वर्णिका, वृन्दा, वफा ने किया। टूर्नामेंट का सफल आयोजन कराने में पी.टी.आई हैप्पी चौहान, मीनाक्षी अरोरा एवं समस्त स्कूल स्टाफ का योगदान रहा। ब्रजभूषण अग्रवाल, चित्रा शर्मा (प्रिंसिपल, मेपल्स एकेडमी देवबंद), अजय मित्तल, विजय मित्तल, मनोज रस्तोगी, सुखबीर देव, रूपेश गुप्ता, अरुण शर्मा, नीरज बालियान, अनिल आर्य, संदीप मलिक, गरिमा वर्मा, समीर वर्मा आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन में मनाया गया झंडा दिवस, एएसपी ने किया ध्वजारोहण

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बुस.)। सहायक पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर पुलिस लाइन में ध्वाजारोहण कर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के संदेश को पढ़कर सुनाया तथा समस्त पुलिस कर्मियों को दी बधाई।

पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर/लाइंस व्योम बिंदल द्वारा पुलिस लाइन परिसर में ध्वजारोहण किया गया, जिसमें प्रतिसार निरीक्षक उदल सिंह सहित उपस्थित समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा सलामी दी गयी। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक द्वारा सहायक पुलिस अधीक्षक की वर्दी पर पुलिस ध्वज का प्रतीक चिन्ह (स्टीकर) लगाकर उन्हें झण्डा दिवस की बधाई दी गई। सहायक पुलिस अधीक्षक ने उपस्थित अधिकारी/कर्मचारीगणों को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश द्वारा दिये गये शुभकामना संदेश को पढ़कर सुनाया गया तथा समस्त पुलिसकर्मियों को पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ ड्यूटी करने का संकल्प दिलाया साथ ही पुलिस ध्वज का प्रतीक चिन्ह (स्टीकर) को वर्दी पर लगाया गया। समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों को संबोधित करते हुए बताया कि किसी संगठन का ध्वज उसकी पहचान होता है। 23 नवंबर 1952 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी को पुलिस ध्वज प्रदान किया था। यह ध्वज हमारे गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है। पुलिस ध्वज के फहराने और उसके प्रति सम्मान प्रदर्शित करते समय हमें स्वाभिमान एवं गर्व की अनुभूति होती है, हम सभी में कर्तव्यनिष्ठा की नई ऊर्जा संचरित होती है। इसके पश्चात पुलिसकर्मियों की वर्दी पर पुलिस ध्वज का स्टीकर लगाकर उन्हें झण्डा दिवस की बधाई दी।

मुस्लिमों ने सपा को नकारा, भाजपा को जिताया: मौलाना शहाबुद्दीन

बरेली, 23 नवंबर (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव नतीजों पर ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि देश के मुसलमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पंसद करते हैं। यही वजह है कि इस चुनाव में मुसलमानों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का खुलकर सपोर्ट किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के उपचुनाव में भाजपा को मुसलमानों ने झोली भर के वोट दिया है। उन्होंने कहा कि कुंदरकी विधानसभा सीट इसका उदाहरण है, जहां पर 65 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, लेकिन उसके बावजूद भाजपा का उम्मीदवार जीता है। चुनाव के दौरान मुसलमानों ने भाजपा प्रत्याशी को नोटों से तौला और खुला समर्थन दिया।

मीरापुर उप चुनाव-ऊंची उड़ी पतंग, साइकिल हुई पंक्चर, मुस्लिम वोटों में हुआ खूब बंटवारा

औवेसी की पतंग ने पूर्व सांसद कादिर राणा की उम्मीदों पर फेरा पानी

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। एआईएमआईएम प्रत्याशी का जादू एक बार फिर मीरांपुर में मुजफ्फरनगर नगरपालिका के चुनाव की तरह समाजवादी पार्टी की राह में रोड़ा बनने वाला साबित हुआ, जिसने उस वक्त भी नगर पालिका में सपा की साइकिल को रोकने का काम किया था। उस वक्त मुस्लिम इलाकों में पतंग को खूब पसंद किया गया था, जिस कारण सपा प्रत्याशी को हार का सामना करना पड़ा था।

मीरांपुर उपचुनाव में सपा की हार की वजह कम मतदान और मुस्लिम मतों का बंटवारा ही रहा। सपा का पीडीए का फार्मूला इस बार भी नहीं चल सका। ऐसे में अल्पसंख्यकों के साथ कोई दूसरी बिरादरी खड़ी नहीं हुई। अकेले दम पर मुस्लिम चुनाव नहीं जीत पाए। इस बार मीरांपुर उपचुनाव में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रत्याशी अरशद राना ने सपा के वोट बैंक में सेंधमारी की। अरशद को इस सीट पर 18,867 वोट प्राप्त हुए। वहीं आसपा के जाहिद हुसैन ने 22,400 मत हासिल किए, इनमें भी आधी संख्या मुस्लिम मतों की मानी जा रही है। मीरांपुर उप चुनाव में 57.10 प्रतिशत मतदान से सपा के खेमे की चिंता बढ़ गई थी। पिछले लोकसभा चुनाव से तुलना करें तो मुस्लिमों का मतदान औसत 10 फीसदी कम रहा। सपा के गढ़ माने जाने वाले सीकरी, नंगला बुजुर्ग, ककरौली, किशनपुर समेत करीब 16 गांव ऐसे हैं, जहां सपा की उम्मीद से कहीं कम ही मतदान हुआ था। चुनाव आयोग तक भी शिकायतें की गईं। कम मत प्रतिशत सपा के लिए एआईएमआईएम ने मुश्किलें खड़ी कर दीं। ऐसे हालातों में प्रत्येक चरण में सपा के वोट बैंक में पतंग की सेंधमारी देखी जा सकती है। औवेसी की पार्टी एआईएमआईएम प्रत्याशी अरशद राना ने पहले से आखिरी चक्र तक सपा के मतों में सेंधमारी की। वह बसपा पर तो भारी पड़े ही, साथ ही कई जगह आसपा के प्रत्याशी जाहिद हुसैन को भी चुनौती दी।

एआईएमआईएम प्रत्याशी को चक्रवार मिले मतों का आंकड़ा

01	504
02	276
03	506
04	431
05	88
06	435
07	610
08	436
09	495
10	523
11	1607
12	1847
13	1221
14	1961
15	1024
16	700
17	1239
18	1442
19	1219
20	671
21	95
22	1167
23	358
24	12

'मैं समंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा', भाजपा की प्रचंड जीत के बाद वायरल हुआ देवेंद्र फडणवीस का बयान

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन से विरोधियों के हौसले पस्त हैं। वहीं इसके साथ भाजपा नीत गठबंधन महायुति के घटक दलों ने भी बेहतर प्रदर्शन किया है। इन सबके बीच भाजपा नेता और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का एक बयान खूब वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि, 'मेरा पानी उतरता देख, मेरे किनारे पर घर मत बसा लेना। मैं समंदर हूं, लौटकर वापस आऊंगा' राज्य के मौजूदा डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस का ये बयान साल 2019 का है, जो 2024 के विधानसभा के नतीजे आने के बाद फिर से वायरल हो रहा है। जो उनके राजनीतिक करिश्मे फिर से साबित कर रहा है। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने आज सोशल मीडिया एक्स पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें उनके इस बयान को उनके आवाज के साथ बड़े-बड़े शब्दों में लिखा भी गया है।

चुनावी नतीजों से उद्धव ठाकरे निराश, बोले- विश्वास नहीं था महाराष्ट्र ऐसा व्यवहार करेगा

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर शिवसेना उद्धव गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे निराश नजर आए। उन्होंने कहा कि चुनावी नतीजे पूरी तरह से अप्रत्याशित और समझ से परे हैं। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि जिस महाराष्ट्र ने कोविड के दौरान परिवार के मुखिया की तरह मेरी बात सुनी थी, वह मेरे साथ इस तरह का व्यवहार करेगा। चुनावी नतीजे अपनी जगह हैं, लेकिन हम महाराष्ट्र के अधिकारों के लिए लड़ते रहेंगे। उद्धव ने कहा कि भाजपा के बटेंगे तो कटेंगे नारे ने कोई काम नहीं किया। कुछ चीजें धर्म निरपेक्ष होती हैं, जैसे बेरोजगारी और महंगाई। हर कोई इनसे प्रभावित होता है। इसलिए यह नारा कारगर नहीं हुआ। हम चुनाव परिणाम की समीक्षा करेंगे। हार के कारणों पर मंथन करेंगे।

पंजाब में चार में से तीन सीटों पर चली 'आप' की झाड़ू, एक पर कांग्रेस

चंडीगढ, 23 नवंबर (एजेंसी)। पंजाब की चार विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में तीन सीटों पर सत्ताधारी पार्टी आप की झाड़ू चली है। वहीं एक सीट पर कांग्रेस का पंजा चला है। इनमें चब्बेवाल (होशियारपुर), डेरा बाबा नानक (गुरदासपुर) और गिद्दड़बाहा (मुक्तसर) सीट आम आदमी पार्टी ने जीती है। चब्बेवाल से डॉ. इशांक कुमार, डेरा बाबा नानक से गुरदीप सिंह रंधावा और गिद्दड़बाहा सीट से हरदीप सिंह डिंपी ढिल्लों जीते हैं। वहीं सगंरूर जिले की बरनाला सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार कुलदीप सिंह ढिल्लों ने जीत दर्ज की है। गिदड़बाहा सीट से भाजपा उम्मीदवार व पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल को भी हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा कांग्रेस के दो मौजूदा सांसदों की पत्नियां भी हारी हैं। डेरा बाबा नानक सीट से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की पत्नी जतिंदर कौर और गिद्दड़बाहा सीट से पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष व लुधियाना से सांसद राजा वड़िंग की पत्नी अमृता वड़िंग भी हार गई हैं।

मासूम बेटी की कर दी हत्या, गला घोंटकर उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसी)। अशोक विहार इलाके में एक मां ने शादी में बाधक बनी अपनी पांच साल की बच्ची की गला घोंटकर हत्या कर दी। शुक्रवार को दीप चंद बंधु अस्पताल से 5 साल की बच्ची के मृत अवस्था में लाए जाने की सूचना पुलिस को मिली थी। उसके गले पर निशान था। पुलिस ने मां सहित सभी रिश्तेदार को थाने बुलाकर पूछताछ की। जिसमें मां ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि पति के छोड़ने के बाद वह इंस्टाग्राम के जरिए मिले एक युवक राहुल से शादी करना चाहती थी। लेकिन युवक का परिवार बच्ची को अपनाना नहीं चाहता था और शादी से इंकार कर दिया। जांच में पता चला कि दिल्ली आने से पहले आरोपी मां अपने एक रिश्तेदार के साथ हिमाचल में रहती थी, इस दौरान रिश्तेदार ने बच्ची का यौन शोषण किया, पुलिस ने हत्या और पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस बच्ची के साथ यौन शोषण करने वाले रिश्तेदार की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

बदायूं जेल में पहुंचे अभिनेता राजपाल यादव, पूर्व विधायक योगेंद्र सागर से की मुलाकात

बदायूं, 23 नवंबर (एजेंसी)। बदायूं में फिल्म अभिनेता राजपाल यादव शनिवार दोपहर करीब 12:30 बजे जिला जेल पहुंचे। उन्होंने बिल्सी से विधायक रहे योगेंद्र सागर से जेल में मुलाकात की। करीब एक घंटा मुलाकात के बाद जेल से निकले राजपाल यादव ने कहा कि पूर्व विधायक योगेंद्र सागर से उनके पारिवारिक रिश्ते हैं। जब हम पढ़ते थे तो लखनऊ में परिवार की तरह रहते थे। सागर परिवार से 35 साल पुराना रिश्ता है। यही वजह है कि उनसे मिलने यहां जेल में आया हूं। पूर्व विधायक के जीवन में आए उतार-चढ़ावों को लेकर कहा कि हम भले ही उनसे न मिल सकें, लेकिन लगातार परिवार के संपर्क में हूं। राजपाल यादव ने कहा कि वह 1999 में फिल्म इंडस्ट्री में आए, तब से दो सौ से अधिक फिल्में कर चुके हैं। इनमें भूलभुलैया सुपर हिट हुई। अब क्रिसमस पर वनवास मूवी रिलीज हो रही है। अभी तक हर साल 10 फिल्मों का औसत रहा है। राजपाल ने बताया कि उनकी काफी रिश्तेदारी बदायूं में है। जेल में मुलाकात के समय पूर्व विधायक योगेंद्र सागर के पुत्र बिसौली से भाजपा के विधायक रहे कुशाग्र सागर मौजूद रहे।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

1973-2024

सम्पादक की क़लम से

महाराष्ट्र में महायुति का महोत्सव

महाराष्ट्र में महायुति ने बड़ी जीत दर्ज की है। महाराष्ट्र में महायुति के लिए यह महोत्सव है। कांग्रेस के लिए भी अच्छी खबर है, झारखण्ड से भी और वायनाड से भी झारखण्ड में कांग्रेस जेएमएम के साथ सरकार बना रही है, वायनाड से प्रियंका सांसद बन गयी है। लोकसभा में कांग्रेस 99 के फेर से बाहर निकल कर 100 पर आ गयी है। उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने बाजी मार ली है। उत्तर प्रदेश की 9 में से 7 सीटों पर एनडीए गठबंधन की जीत हुई है, जबकि महज दो सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत हुई है। मीरापुर सीट गठबंधन में राष्ट्रीय लोकदल के पास है, यहाँ से मिथलेश पाल ने जीत दर्ज की। मुरादाबाद की कुंदरकी विधानसभा सीट सपा के लिए ऐसा ही दर्द लाई है, जैसा लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट ने भाजपा को दिया था। उपचुनाव में कुंदरकी से भाजपा के रामवीर सिंह ने जीत दर्ज की है। उन्होंने 1.43 लाख वोट से सपा के रिजवान को हराया है। रामवीर सिंह ने कहा कि मुझे तो 50 हजार वोटों से जीत की उम्मीद थी, लेकिन 80 फीसदी से ज्यादा लोगों ने मुझे वोट दिया है। मैं इस जीत से अभिभूत हूं। मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुंदरकी में राष्ट्रवाद की विजय है। ये विरासत और विकास की विजय है। हर व्यक्ति को अपने जड़ और मूल की याद आती है। मुझे लगता है कि जो भूले भटके रहे होंगे, उन सबमें, किसी को अपना गोत्र याद आया होगा, किसी को अपनी जाति याद आई होगी। कुंदरकी की विजय बताती है कि आने वाले समय में समाजवादी पार्टी कहां जाने वाली है। उन्होंने कहा कि भाजपा-एनडीए की विजय पीएम नरेन्द्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन पर जनता-जनार्दन के अटूट विश्वास की मुहर है। उन्होंने कहा कि ये जीत डबल इंजन सरकार की सुरक्षा-सुशासन एवं जन-कल्याणकारी नीतियों तथा समर्पित कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का सुफल है। हार के बाद विपक्षी नेताओं के बयान काफी बहके हुए हैं, बचकाना हैं, अहमकाना हैं। लोकतंत्र-लोकतंत्र कहने वाले ही लोकतंत्र का अपमान कर रहे हैं। हार को विनम्रता से स्वीकार करना लोकतंत्र है, लेकिन हार को स्वीकार न करना और स्तरहीन तथा मूर्खतापूर्ण बातें करना जनादेश और लोकतंत्र की अवमानना है। स्तरहीन तथा मूर्खतापूर्ण बातें करने वाले यह जरा सी बात समझकर भी नहीं मानते। झारखण्ड भाजपा नेताओं ने हार को स्वीकार कर लिया है, भाजपा नेताओं का कहना है कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश सहित कई जगह हार का सामना करने वाले विपक्षी नेताओं में एक भी ऐसा नहीं है, जिसने बुद्धिमत्तापूर्वक वक्तव्य दिया हो, सब अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। पूर्व मुख्यमन्त्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चव्हाण कराड विधानसभा सीट से 39,355 मतों से हार गए। उत्तराखंड की केदारनाथ विधानसभा सीट पर बीजेपी की आशा नौटियाल ने जीत दर्ज की है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत असाधारण है। 1990 में बाल ठाकरे की शिवसेना के साथ छोटे भाई की हैसियत से 42 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार अकेले बहुमत के करीब है। बालासाहेब के बेटे उद्धव की शिवसेना सिर्फ 20 सीटों पर सिमटती दिख रही है। उद्धव ने जब मुख्यमन्त्री बनने के लिए कांग्रेस और शरद पवार से हाथ मिलाया था, तभी उनकी राजनीति को ग्रहण लग गया था। महाराष्ट्र के लोकसभा चुनावों को विधानसभावार कंवर्ट करें, तो कांग्रेस ने 63 सीटें जीती थीं, जो अब महज 19 सीटों पर सिमटती दिख रही है। इस हिसाब से बीजेपी 79 से बढ़कर 130 सीटों पर पहुंच रही है। महायुति की शिंदे सरकार ने जून 2024 में माझी लाडकी बहिन योजना शुरू की। इस योजना के तहत 2.5 लाख रुपए से कम सालाना कमाई वाले परिवार की महिलाओं को हर महीने 1500 दिए जा रहे हैं। जुलाई से अक्टूबर तक 2.34 करोड़ महिलाओं को इसका फायदा मिला, जो राज्य की कुल महिला वोटर्स का लगभग आधा है। चुनाव के दौरान सीएम एकनाथ शिंदे ने वादा किया, अगर महायुति सत्ता में आती है, तो योजना के तहत हर महीने 2,100 रुपए दिए जाएंगे। कई लोगों ने इसे सराहा। लोकसभा चुनाव के दौरान कई ऐसी खबरें चलीं कि भाजपा और संघ के रिश्ते बिगड़ रहे हैं। चार जून के नतीजों में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई। इन नतीजे को संघ-बीजेपी के बिगड़े हुए संबंधों से जोड़कर देखा गया। इसके बाद हरियाणा चुनाव में संघ जमीन पर उतरा और बीजेपी ने 48 सीटों पर जीत हासिल कर हैट्रिक मारी। महाराष्ट्र में भी बीजेपी के लिए वोट मांगने के लिए संघ जमीन पर उतरा। इस चुनाव में संघ पूरी तरह से जमीन पर उतरा। लोकसभा चुनाव में बीजेपी का जो वोटर वोट देने नहीं निकला, उसे इस बार संघ ने बूथ तक पहुंचाया। संघ ने करीब 60 हजार कार्यकर्ता ग्राउंड पर उतारे। लगभग 12 हजार छोटी-बड़ी बैठकें कीं। सोसाइटियों के अंदर ही संघ के कार्यकर्ताओं ने अपनी कुर्सी-टेबल लगाई। संघ ने उन सीट पर भी फोकस किया, जहां बीजेपी का जीतना तय था। संघ जिस साइलेंट वर्कर की भूमिका के लिए जाना जाता है, वो इस चुनाव में देखने को मिली। संघ ने बीजेपी के लिए हर तरह से वोट मांगे, जो नतीजों में साफ दिख रहा है। चुनाव की शुरूआत में कांग्रेस ने संविधान को मुद्दा बनाने की कोशिश की थी, लेकिन ये मुद्दा विधानसभा चुनाव में उस तरह से नहीं चला, जैसा लोकसभा चुनाव में चला था। लोकसभा चुनाव के दौरान महाविकास अघाड़ी ने जो पकड़ बनाई थी, वो इस चुनाव में ढीली पड़ गई। एमवीए ने न तो कोई नैरेटिव खड़ा किया और न ही कोई मुद्दा उठाया। पूरे चुनाव उन्होंने गद्दारी-गद्दारी का नारा लगाया, चुनाव प्रचार के अन्तिम दिन राहुल गांधी ने एक नौटंकीनुमा प्रेस कांफ्रेस की, जिसे राहुल के करीबी मास्टर स्ट्रोक बता रहे थे, जबकि अन्य लोगों ने उनकी खिल्ली उड़ाई। भाजपा की जीत में अधिक मतदान का भी योगदान है। 2019 के विधानसभा चुनाव में 61.1 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, जो इस बार बढ़ी है। इस बार के विधानसभा चुनाव में करीब 66 प्रतिशत वोटिंग हुई। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि वोटिंग को बढ़ाने के लिए बीजेपी समेत महायुति एलायंस ने काफी जोर लगाया। ज्यादा वोटिंग होने का फायदा महायुति को हुआ। भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित पवार ने सामूहिक प्रयास कर वोटिंग परसेंटेज बढ़ाया, जिसका फायदा उन्हें मिला। लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति को केवल 1.5 प्रतिशत वोट के अंतर से शिकस्त मिली थी। इस अंतर को महायुति ने पाटा और ज्यादा वोट हासिल किए।

चार तीर

सुनील उत्सव

"साजिश" "पर्चे" "बकबक" "वोट"

सारी साजिश, सारे पर्चे, सारी बकबक धरी रही,
वोटर ने कुछ सुना नहीं बस देश की खातिर वोट दिया।
जात पात के नारे लेकर आए थे वो,जनता ने,
जात पात को चुना नहीं बस देश की खातिर वोट दिया।

प्रधानमंत्री की पत्नी पहुँची रेशू विहार, मांगकर खाया मुजफ्फरनगर का गुड़

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बुस.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की धर्मपत्नी जशोदा बेन रात्रि में रेशू विहार पहुँची। सत्यप्रकाश रेशू के निवास पर पहुँचकर परिवार के सभी सदस्यों को आशीर्वाद दिया वे रात्रि विश्राम के बाद प्रातः रोड मार्ग से गुजरात के लिए प्रस्थान करेंगी। ऋषिकेश में एक शादी समारोह से गुजरात के लिए लौटते समय प्रधानमंत्री की पत्नी जशोदा बेन अपने पारिवारिक सदस्यों व सुरक्षा कमांडो के साथ रेशू विहार पहुँची, जिसकी सूचना जशोदा बेन के भाई अशोक मोदी ने रेशू परिवार को 2 दिन पूर्व दे दी थी, जिस आधार पर रेशू परिवार ने अपनी सभी तैयारियां कर ली थी, परंतु प्रोग्राम को गोपनीय व व्यक्तिगत रखने की बात भी कही गई थी, जिससे सुरक्षाकर्मियों एवं पुलिस प्रशासन को असुविधा का सामना ना करना पड़े। रेशू परिवार में पहुँचने पर उनका स्वागत पुष्प वर्षा व शंख बजाकर साधना गर्ग, शैल गर्ग, शोभित, मोहित, प्रियंका, वर्षिका, मिशिका, वेदांश, मनीष भारती, जोगेंद्र हुड्डा, अतुल, गरिमा, नैन्सी, बब्लू आदि ने चरण स्पर्श करके किया, जिसके फलस्वरूप उन्होंने

अपना आशीर्वाद सभी के सिरों पर हाथ रखकर दिया। छोटी बच्ची नव्या गर्ग ने जशोदा बेन को प्रेम से चॉकलेट भेंट की। जशोदा बेन अपने भाई अशोक मोदी, अपनी भाभी जशोदा बेन मोदी, ड्राइवर विशाल चौधरी व सुरक्षा कमांडो के साथ अपना विशेष आशीर्वाद देने व रात्रि विश्राम के लिए पहले भी दो बार सत्यप्रकाश रेशू के निवास पर विश्राम करके मुजफ्फरनगर की धरती को गौरवान्वित कर चुकी है। अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों से रेशू परिवार के बड़े-छोटे सभी सदस्यों को जशोदा बेन की बातों ने जहाँ शिक्षित किया, वहीं प्रशिक्षित भी किया। अपने साधारण जीवन को साधारणता से जीने की पहचान बन चुकी नरेन्द्र मोदी की पत्नी ने मुजफ्फरनगर के गुड़, शक्कर, गन्ने का भरपूर आनंद लिया। मुजफ्फरनगर के हर निवासी की ओर से सत्यप्रकाश रेशू ने अपने परिवार के सदस्यों की साथ मिलकर मुजफ्फरनगर का गुड़ जशोदा बेन व सभी को उपहार स्वरूप भेंट किया। साथ ही मुजफ्फरनगर के संतों की ओर से उन्हें एक शॉल भी ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। प्रेस व मीडिया के बंधुओं से दूरी रखने के बारे में जब जशोदा बेन से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि मेरी हर पूजा, हर यात्रा, हर व्रत, हर त्याग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पति के रूप में, सेवक के रूप में व प्रधानमंत्री के रूप में सशक्त बनाना है। प्रातः 4 बजे उठकर 9-10 बजे तक नृत्य किया व पूजा-पाठ, योग करने वाली जशोदा बेन के चेहरे पर एक सशक्त चमक है। उनके ओरिजनल दांत, बाल, पहनावा, बोलना, चलना आदि हर किसी को आकर्षित करता है, क्योकि भारत जैसे महान देश के प्रधानमंत्री की पत्नी जिस आदर्शवाद के जीवन को जी रही है व हर महिला के लिए प्रेरणा है।

पुलिस भर्ती परीक्षा में हुई पास, फिजिकल की तैयारी करते उठा सीने में दर्द, हुई मौत

अलीगढ, 23 नवंबर (एजेंसी)। पुलिस भर्ती परीक्षा का रिजल्ट निकला। ममता परीक्षा में पास हो गई। वह फिजिकल की तैयारी करने लगी। सपना संजोया कि फिजिकल, दौड़ आदि पास कर पुलिस की वर्दी मिल जाएगी। सुबह दौड़ लगाते समय ममता को अचानक सीने में दर्द उठा। जिससे उसकी मौत हो गई। वर्दी पहनने का सपना ममता के साथ ही चला गया। अलीगढ़-पलवल हाईवे के गांव अरार्ना निवासी 20 वर्षीय ममता पुत्री विक्रम सिंह उर्फ पप्पू ने यूपी पुलिस की लिखित परीक्षा 212 अंकों के साथ पास की। परिजनों ने बताया कि ममता परीक्षा पास करने के बाद दौड़ आदि की तैयारी कर रही थी। 23 नवंबर को ममता खेत में बने मैदान पर सुबह तड़के पांच बजे दौड़ लगा रही थी। अचानक उसके सीने में दर्द उठा। युवती बेहोश हो गई। सूचना पर परिजन युवती को खैर सीएचसी ले गए। वहां से उसे अलीगढ़ जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। चिकित्सकों ने युवती को मृत घोषित कर दिया। युवती की मौत से परिवार में मातम छा गया। युवती चार भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। परिवार में सभी का रो-रोकर बुरा हाल है।

मौसम ने बदली करवट, लाहौल घाटी सहित अटल टनल रोहतांग में सीजन की पहली बर्फबारी, तापमान गिरा

शिमला, 23 नवंबर (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले भागों में मौसम ने करवट बदली है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बीच शनिवार दोपहर बाद रोहतांग सहित अन्य उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू हुआ। अटल टनल रोहतांग, कोकसर रोहतांग दर्रा, कुंजुम दर्रा, बारालाचा सहित सीबी रेंज की चोटियों में बर्फबारी हुई। कुछ ही देर में चोटियां बर्फ से सफेद हो गई। लाहौल घाटी के रिहायशी क्षेत्रों व अटल टनल रोहतांग में इस सर्दी के सीजन की पहली बर्फबारी दर्ज की गई।

श्रीमहाकाल भैरव दर्शन को उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

- कल्लरपुर मंदिर में आज होगा बाबा का विशाल भंडारा

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। चरथावल क्षेत्र के गांव कल्लरपुर कछौली के श्री महाकाल बटुक भैरव बाबा सिद्ध पीठ मंदिर में चार दिवसीय श्री भैरव अष्टमी महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। शनिवार को आचार्य पंडित सरवन शर्मा द्वारा सर्वप्रथम गणेश पूजन, विधि पूजन, शनिदेव जी पूजन, मां भगवती पूजन कराया गया। इसके बाद 64 योगिनी माता व नवग्रह का पूजन हुआ। इसके साथ श्री महाकाल बटुक भैरव बाबा जी का पूजन विधि विधान के अनुसार किया गया। श्रीमहाकाल भैरव जी के पूजन में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं द्वारा श्री महाकाल को प्रसाद चढ़ाया गया। इस दौरान दर्शन करने के लिए दिनभर मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। कल्लरपुर मंदिर में चल रहे इस आयोजन के बीच मध्यरात्रि में श्री काल भैरव जी का रुद्राभिषेक किया। इसके बाद श्री महाकाल की महाआरती और प्रसाद का भी वितरण किया गया। श्री भैरव अष्टमी महोत्सव में 24 घंटे भंडारे का मंदिर प्रांगण में आयोजन हो रहा है। चार दिवसीय महोत्सव के बीच इस दौरान

मंदिर के महंत ठाकुर नकली सिंह, ठा. राम कुमार सिंह पुंडीर, अमित पुंडीर, राजकुमार पुंडीर, हरपाल सिंह चौहान, पवन पांचाल, मुकेश धीमन, योगेश कुमार, सोनू कुमार, संजू कुमार, सुमित कुमार, अंकित कुमार, अमन कुमार, नीरज कुमार, रजत कुमार,उमेश कुमार, शांति देवी, उषा देवी, अंजना देवी, प्रियंका देवी, दीपिका देवी, वैष्णवी, अभय प्रताप, पंडित कुलदीप आदि मौजूद रहे।

शारदेन स्कूल में एजुकेटिंग पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन विषय पर कार्यक्रम संपन्न

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। सीबीएसई बोर्ड की ओर से शारदेन स्कूल में एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें कार्यक्रम का मुख्य विषय एजुकेटिंग पैरेंट्स अबाउट एजुकेशन था। कार्यक्रम उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा और उनके सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका के प्रति जागरूक करना और शिक्षकों को इस दिशा में प्रभावी सहयोग के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे शारदेन स्कूल की प्राचार्या धारा रतन, मुख्य संसाधन रमणीत स्वरूप, स्वाति के. उनियाल ने ज्योति प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम आरंभ किया। इस कार्यक्रम में न केवल शारदेन स्कूल के शिक्षक व अभिभावक अपितु आसपास के कई स्कूलों के शिक्षक मौजूद रहे। उपस्थित शिक्षक की संख्या 41 थी। आयोजन शिक्षकों व अभिभावकों के बीच सामंजस्य स्थापित करने और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान को बेहतर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में दो प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने सेवाएं दीं। प्रथम संसाधन व्यक्ति रमणीत स्वरूप, जो भारतीय अकैडमी, रुड़की की प्राचार्या हैं, ने अपने व्याख्यान में बच्चों की शिक्षा में अभिभावकों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षा केवल स्कूल की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह सामूहिक प्रयास है जिसमें अभिभावक, शिक्षक, और समाज की समान भागीदारी होनी चाहिए। दूसरी संसाधन व्यक्ति, स्वाति उनियाल जो ज्ञानदा इंटरनेशनल स्कूल की प्राचार्या हैं, ने इस बीच अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बनाने और उनके मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में बच्चों को तकनीकी शिक्षा के साथ नैतिक और सामाजिक मूल्यों की शिक्षा देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र, और व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गई, जिनमें शिक्षकों और अभिभावकों ने सक्रिय भाग लिया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, और कार्यक्रम के समापन पर शारदेन स्कूल की प्राचार्या ने सीबीएसई और दोनों संसाधन व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

यूपी को बड़ी सौगातः पांच रूटों पर फर्राटा भरेंगी वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें

लखनऊ, 23 नवंबर (एजेंसी)। अब वह दिन दूर नहीं, जब लखनऊ से कानपुर सहित पांच रेलखंडों पर हाईस्पीड वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें दौड़ती नजर आएंगी। इस पर 480 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहले चरण में लखनऊ से कानपुर के बीच यह ट्रेन पटरी पर उतरेगी, जो महज 45 मिनट में यात्रियों को कानपुर पहुंचा देगी। दिल्ली से मुम्बई व दिल्ली से हावड़ा, यह देश के दो प्रमुख रेलखण्ड हैं। हावड़ा की मेनलाइन वाराणसी के रास्ते गुजरती है, जिसमें लखनऊ से कानपुर का रेलखण्ड सपोर्टिंग लाइन की तरह जुड़ा हुआ है। इस सेक्शन की खस्ता हालत के चलते ट्रेनों को 80 से 100 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार पर नहीं चलाया जा पा रहा था। लखनऊ से पांच रूटों पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेनों को चलाया जाएगा। इसमें पहले चरण में कानपुर रूट पर ट्रेन चलेगी। इसके बाद लखनऊ से प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या, गोरखपुर रूटों पर भी मेट्रो की तर्ज पर वंदे भारत मेट्रो ट्रेनें चलाई जाएंगी। इससे यात्रियों को खासी राहत हो जाएगी।

भाजपाईयों ने मनाया मिथलेश पाल की जीत का जश्न

- भाजपा नेता अरुण शर्मा के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर दी बधाई

मीरापुर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर उपचुनाव में भाजपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी मिथलेश पाल की जीत के बाद मीरापुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया तथा एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। मीरापुर विधानसभा पर हुए उपचुनाव में भाजपा-रालोद गठबंधन प्रत्याशी मितलेश पाल द्वारा सपा प्रत्याशी सुम्बुल राणा को पराजित करने के बाद मीरापुर के भाजपा कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर दौड़ गयी। जीत की खुशी में भाजपा कार्यकर्ता काफी संख्या में भाजपा नेता अरुण शर्मा के आवास पर एकत्र हो गए तथा जमकर जीत का जश्न मनाया तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर मीरापुर उपचुनाव व महाराष्ट्र में पार्टी की जीत की बधाई दी। इस दौरान भाजपा नेता अरुण शर्मा ने इस जीत को लोकतंत्र की जीत बताया। इस दौरान भाजपा नेता अरुण शर्मा, मोहित कौशिक,अंकित कौशिक,अवनीश गर्ग चार्ली व दीपक प्रजापति,वरुण शर्मा आदि मौजूद रहे।

शाहजहांपुर में हाईवे पर सीएनजी सिलिंडर लदे ट्रक में लगी आग, धमाकों से दहला इलाका

शाहजहांपुर, 23 नवंबर (एजेंसी)। शाहजहांपुर में जलालाबाद और कांट के बीच पुरैना गांव के पास स्टेट हाईवे पर शनिवार करीब साढ़े छह बजे सीएनजी सिलिंडर लदे ट्रक में अचानक आग लग गई। धमाके होने से इलाके में दहशत फैल गई। हाईवे के बीचोंबीच खड़ा ट्रक कुछ ही पलों में आग का गोला बन गया। लपटें देखकर दोनों वाहनों के पहिये थम गए। बताया गया कि चालक और क्लीनर ट्रक से कूदकर फरार हो गए हैं। पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक शाहजहांपुर से सीएनजी सिलिंडर लदा ट्रक जलालाबाद की ओर जा रहा था। राहगीरों ने बताया कि पुरैना गांव के पास ट्रक में रखे सिलिंडर से तेजी से गैस निकलने लगी। इसकी जानकारी होने पर चालक ने ट्रक रोक दिया। चालक और क्लीनर ट्रक से कूदकर भाग गए। कुछ ही देर में ट्रक आग का गोला बन गया। लगातार छह सात धमाके हुए, जिससे दहशत फैल गई।

गन्ना उपायुक्त ने शुगर मिल का किया निरीक्षण

बुढ़ाना, 23 नवम्बर (बु.)। ब्लॉक क्षेत्र के गांव भसाना में खतौली रोड पर स्थित बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल लिमिटेड में गन्ना उपायुक्त ओपी सिंह अचानक से शनिवार के दिन निरीक्षण करने पहुंचे, जहां पर उन्होंने बजाज शुगर मिल के जिम्मेदार अधिकारियों को दिन प्रतिदिन बढ़ते हुए घने कोहरे में दुर्घटना से बचाव के लिए गन्ना लेकर पहुंचने वाले समस्त वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कई गन्ना वाहनों पर रिफ्लैक्टर पट्टियां भी लगाई। यहां पर गन्ना उपायुक्त ओपी सिंह ने शुगर मिल में निरीक्षण करते समय यार्ड में खड़े समस्त वाहनों के अलावा तौल करवा रहे अन्य वाहनों की भी बारीकी से जांच की। उन्होंने चीनी मिल के यूनिट हैड चंद्रवीर सिंह और शुगर मिल के गेट ईचार्ज अनिल कुमार को भी निर्देश दिए कि अब रात में जबरदस्त कोहरा पड़ने लगा है। क्षेत्र के गन्ना किसान शुगर मिल के गेट पर रात में भी गन्ना लेकर आते हैं, तो ऐसे में गन्ने की बुग्गियां, ट्रालियों और ट्रकों सहित अन्य वाहनों पर भी रिफ्लैक्टर पट्टियों को अनिवार्य रूप से लगाया जाए, ताकि कोई भी दुर्घटना ना घटित हो पाए। इस दौरान यहां अन्य मिल अधिकारियों में डेवलपमेंट इंचार्ज विकास बालियान, गौरव प्रताप और रिजवान अहमद आदि मौजूद रहे।

आवश्यकता है
सीमेंट कार्य हेतु :-
• मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव (मेल)
• एकाउन्टेंट (मेल/फीमेल)
FMCG में :-
• ऑफिस एक्जीक्यूटिव (गर्ल्स)
ऑफिस कार्य हेतु
Office :
BHATIA CEMENT
3 A, New Mandi, Muzaffarnagar
सम्पर्क 9927085503
सूत्र :- 9027289905

अधिवक्ताओं ने की कलमबंद हड़ताल, जाम लगाया

जानसठ, 23 नवम्बर (बु.)। बार संघ जानसठ के अधिवक्ताओं के द्वारा गाजियाबाद प्रकरण के संबंध में हड़ताल को जारी रखते हुए शनिवार को तहसील में पहुंचकर रजिस्ट्री कार्यालय बंद करा दिया और पानीपत-खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लगाया। विदित हो कि 29 अक्तूबर 2024 को जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद द्वारा अधिवक्ताओं से नोंक-झोंक होने के बाद पुलिस बुलाकर अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज करा दिया गया था, जिसको लेकर तभी से अधिवक्ता निरंतर न्यायिक कार्य से विरत हैं। उसी क्रम में शनिवार को गाजियाबाद बार एसोसिएशन और जिला बार एसोसिएशन मुजफ्फरनगर के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने आंदोलन को गति देते हुए रजिस्ट्री कार्यालय को बंद कराकर कलम बंद हड़ताल की। सचिव दीपेश गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि बार संघ जानसठ पूर्ण रूप से गाजियाबाद बार एसोसिएशन के साथ है। मान सम्मान के लिए कोई भी लड़ाई लड़ने को तैयार है। जाम लगाने वालों में अध्यक्ष अजय कुमार पंत, प्रदीप कुमार गर्ग, वेद प्रकाश सैनी, जितेंद्र तोमर, तेजपाल कश्यप, पोदी सिंह कश्यप, प्रमोद शर्मा, ज्ञानचंद सैनी आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

लापता का नहीं लगा सुराग

शाहपुर, 23 नवम्बर (बु.)। गांव काकड़ा निवासी तीन दिन से लापता व्यक्ति का सुराग नहीं लगने से परिजन परेशान हैं। गांव काकड़ा निवासी सतीश शर्मा ने बताया कि उसका भाई अमित शर्मा गांव में स्थित पंजाब नेशनल बैंक में रिकवरी एजेंट है, वह बृहस्पतिवार की सुबह बैंक में गया था। शाम तक जब वह वापस नहीं लौटा, तो उसे काफी तलाश किया, किंतु उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। तीन दिन से लापता उसके भाई का सुराग न मिलने से सभी परिजन बेहद परेशान है। उधर भाजपा नेता नितिन मलिक ने गांव में लापता व्यक्ति के घर पहुंच कर जानकारी लेने के साथ पुलिस से कार्रवाई करने को कहा है।

गुरु सुदर्शन लाल जी महाराज पर आधारित फिल्म का दूसरा पार्ट देखने उमड़े श्रद्धालु

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। गुरु सुदर्शन लाल जी महाराज श्वेतांबर संघ के महान आचार्य के ऊपर बनी फिल्म का दूसरा पार्ट रुंगटा सिनेमा ग्रैंड प्लाजा मॉल दिखाई जा रहा है। फिल्म बनवाने में मनमोहन जैन का विशेष योगदान रहा। फिल्म कृष्ण कुमार व सुमित कुमार के सहयोग से निशुल्क दिखाई जा रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु फिल्म को देखने के लिए उमड़े।

फिल्म प्रदर्शन के कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त श्वेतांबर संघ का विशेष सहयोग रहा। इसमें महामंत्री हर्षवर्धन जैन, कार्तिक जैन, अभिनव जैन, राजेश जैन, आदित्य जैन, अनुराग जैन, प्रदीप जैन तथा वकील साहब का विशेष योग रहा। जो व्यक्ति फिल्म को देख रहे थे वे, अपने आंसू नहीं रोक पा रहे थे। गुरुदेव ने अनेक लोगों पर अपनी कृपा बरसाई किस तरह से उन्हें कुरीतियों से निकालकर अच्छे मार्ग पर लगाया। भेदभाव को मिटाया। अहिंसा के संस्कार पैदा किये। राष्ट्र के लिए समर्पित रहने के लिए अनुशासन में रहने के लिए उनके अंदर बीज अंकुरित किया। ऐसे राष्ट्र संत को देखकर उनका उपकार देखकर लोग गद्‌गद् दिखाई दिए तथा उनकी कृपा प्राप्त लोग भी उनकी इस छवि को अपने अंदर अनुभव कर बारंबार नमस्कार कर रहे थे।

नाम परिवर्तन सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र संख्या 12189/05-12-2018 में नाम नविका अंकित हो गया है जबकि उसका वास्तविक नाम नविका गुप्ता है। भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जाएगा। संशोधन हेतु शपथ पत्र सम्बंधित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।
नीरज गुप्ता
394, ब्रह्मपुरी, मुजफ्फरनगर (यू.पी.)

एम.जी. पब्लिक स्कूल में बाबू हरबंस लाल गोयल को पुष्पांजलि अर्पित

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बुस.)। आज एम.जी. पब्लिक स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष स्व. बाबू हरबंस लाल गोयल का 12वां निर्वाण दिवस भावपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस दौरान उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके द्वारा सामाजिक उत्थान, गरीब कल्याण और धर्मार्थ किए गए कार्यों की चर्चा करते हुए उनको निरंतरता प्रदान करने का संकल्प लिया गया। एम.जी. पब्लिक स्कूल प्रांगण में शनिवार को विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्व. बाबू हरबंस लाल गोयल का 12वां निर्वाण दिवस सादगी के साथ भावनात्मक वातावरण के बीच मनाया गया। एम.जी. चेरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन सतीश चन्द गोयल, एम.जी. पब्लिक स्कूल मैनेजमेंट कमेटी के उपाध्यक्ष विनीत सिंघल, कमेटी के कोषाध्यक्ष रोहित सिंघल के साथ प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने मंदिर परिसर में स्थित बाबू हरबंस लाल गोयल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उनको श्रद्धा भाव से नमन किया। भावांजलि की इस बेला पर ट्रस्ट चेयरमैन सतीश चन्द गोयल ने बाबू जी के जीवन दर्शन पर चर्चा करते हुए उनके द्वारा किए गए अनेकानेक कार्यों को याद किया। बाबू जी हरबंस लाल गोयल का जीवन सादगी से परिपूर्ण और समाज एवं धर्म के प्रति सेवा भाव के चिंतन को समाहित करने वाला रहा। इस चर्चा के दौरान उन्होंने बाबू जी के समाजसेवा और धर्मार्थ कार्यों को निरंतरता प्रदान करने की अपनी प्राथमिकता को भी जाहिर किया। प्रधानाचार्या मोनिका गर्ग ने भी उनके कार्यों को याद करते हुए उनके आदर्श के साथ समाज, धर्म और जरूरतमंद लोगों की सेवा के प्रति समर्पण पर बल दिया और इसको आगे बढ़ाने का सभी ने संकल्प लिया। इस दौरान मुख्य रूप से समाजसेवी देवराज पंवार, सीए अजय अग्रवाल, एडीजीसी विक्रांत राठी एडवोकेट, सत्यवीर सिंह सहित विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने बाबू हरबंस लाल गोयल जी के निर्वाण दिवस पर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

आजीवन कारावास के साथ 25 हजार का लगाया जुर्माना

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। कैंटर चालक की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपी को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा व 25 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है। मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट नम्बर 2 में चल रही थी। भोपा थाना क्षेत्र में चालक की हत्या की गयी थी। एडीजीसी अरुण कुमार जावला व कुलदीप कुमार ने बताया कि कैंटर चालक असरफ निवासी गाजियाबाद अपने क्लीनर राशिद के साथ कैंटर से खुर्जा में माल उतारकर 26 अगस्त 2009 को वापस आ रहा था। भोपा थाना क्षेत्र में निरगाजनी गंगनहर पुल के पास प्रवेज उर्फ मुंजी निवासी भैसरहेड़ी व उसके साथी ने कैंटर को लूट के इरादे से रुकवा लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने कैंटर चालक असरफ की गोली मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गये। यह भी बताया गया है कि दोनों के बीच पहले से विवाद चल रहा था। पुलिस ने आरोपी व उसके अज्ञात साथी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी। पुलिस ने वारदात के अगले दिन आरोपी प्रवेज उर्फ मुंजी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अज्ञात की पहचान न होने पर पुलिस ने प्रवेज के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट नम्बर 2 की न्यायाधीश नेहा गर्ग की कोर्ट में हुई है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के पश्चात आरोपी प्रवेज को आजीवन कारावास की सजा व 25 हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने घर से नई मण्डी जा रहा था। मेरा एक बैग रास्ते में कहीं गिर गया है, जिसमें मेरे कुछ जरूरी कागजात तथा एक बैनामा दिनांकित 30-12-1993, आलेख संख्या 6599 था। प्लॉट नं. 26, मौहल्ला-महालक्ष्मी एन्क्लेव एक्सटेंशन 250 गज एवं खसरा नम्बर 75 में स्थित है, खो गया है। किसी अन्य द्वारा इसका प्रयोग अवैध होगा।
श्रीमती वैशाली अर्पित राजवंशी पत्नी श्री अर्पित राजवंशी
निवासी-36, प्रेम विहार, जानसठ रोड, मुजफ्फरनगर

पत्नी को मिले 84,304 मत, पति मात्र 265 वोट पर सिमटा

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरांपुर विधानसभा सीट पर शनिवार को मतगणना के बाद घोषित परिणामों में उप चुनाव में एक ऐसा प्रत्याशी सामने आया, जिसकी पत्नी जीतकर विधायक बन गई, पर उनके सामने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने वाले पति 250 वोट भी प्राप्त नहीं कर पाए। मीरांपुर सीट पर हुए उप चुनाव में सपा, रालोद, बसपा, आसपा एवं एआईएमआईएम पार्टियों समेत 11 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इनमें तीन निर्दलीय प्रत्याशी रहे। इन्हीं निर्दलीय प्रत्याशियों में भाजपा रालोद गठबंधन प्रत्याशी मिथलेश पाल के पति अमरनाथ भी थे। हालांकि सपा प्रत्याशी सुंबुल राणा के पति शाह मौहम्मद ने अपना नामांकन निर्दलीय के रूप में किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपनी दावेदारी वापस ले ली थी। इस चुनाव में अमरनाथ अपनी पत्नी मिथलेश के सामने डटे रहे। शनिवार को मतगणना के दौरान दोनों एक साथ मतगणना स्थल पर साथ देखा गया। दोनों ने चाय नाश्ता व भोजन साथ बैठकर ही किया। इस उपचुनाव में पत्नी की जीत से गदगद अमरनाथ जमानत जब्त कराने के साथ उप चुनाव में कुल 265 मत प्राप्त कर पाए। शनिवार को उनके चुनाव में किए गए कर्तव्यों की दिनभर मतगणना स्थल पर चर्चा होती रही।

501 मतदाताओं ने दबाया नोटा का बटन, जताया विरोध

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरांपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भले ही फिर से भाजपा-रालोद गठबंधन की प्रत्याशी के पक्ष में मतदाताओं का फैसला आ गया हो, लेकिन अभी भी क्षेत्र में ऐसे मतदाताओं की कमी नहीं, जिन्हें लोकतंत्र के इस महायज्ञ में वोट डालते हुए कोई प्रत्याशी पसंद नहीं रहा। ऐसे 501 मतदाताओं ने व्यवस्था से आहत होने के साथ मीरांपुर उपचुनाव में ईवीएम का नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्ज कराया।

नहीं आया उपचुनाव में कोई भी प्रत्याशी, कराया अहसास

शनिवार को नवीन मंडी स्थल पर जिला प्रशासन द्वारा शुरू हुई मतगणना में रालोद की प्रत्याशी मिथलेश पाल ने सपा की सुम्बुल राणा को 30,796 मतों के भारी अंतर से हराते हुए विजयश्री प्राप्त की। इस चुनाव में मिथलेश पाल को 84,304 मत और सुम्बुल राणा को 53,508 मत प्राप्त हुए। इसके साथ मीरांपुर सीट पर संपन्न उपचुनाव की मतगणना में 501 मतदाता ऐसे भी सामने आए, जिन्हें मीरांपुर सीट पर कोई भी प्रत्याशी पसंद नहीं आया और ऐसे में उन्होंने विरोध स्वरूप भारत निर्वाचन आयोग के दिए विकल्प के रूप में नोटा का बटन दबाने के साथ ही अपने मताधिकार का प्रयोग करने के साथ व्यवस्था को आने वाले दिनों में बदलाव की दिशा में अब आगाज देने की पहल की।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

शाहपुर, 23 नवम्बर (बु.)। थाना क्षेत्र के गांव तावली के पास अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। क्षेत्र के गांव दुल्हेरा निवासी 21 वर्षीय महेंद्र प्रताप बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरनगर की ओर किसी कार्य से जा रहा था, जब वह गांव तावली के पास पहुंचा, तो बाइक में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह उछलकर सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना से परिजनों का रो-रोकर होकर बुरा हाल हो गया। सूचना पर सीएचसी पर पहुंचे परिजनों ने कोई भी कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मृतक युवक का शव परिजनों को सौंप दिया।

25 तक बंद रहेंगे स्कूल: फिर रेड जोन में पहुंचा नोएडा-ग्रेनो का वायु प्रदूषण

ग्रेटर नोएडा, 23 नवंबर (एजेंसी)। दो दिन की राहत के बाद ग्रेटर नोएडा का वायु प्रदूषण फिर से रेड जोन में 300 के पार पहुंच गया हैं। शनिवार को ग्रेनो का वायु गुणवत्ता सूचकांक 307 रहा। पिछले दो दिन से एक्यूआई ऑरेंज जोन में बना हुआ था। वहीं नोएडा में भी वायु प्रदूषण बढ़ा हैं। वहां का एक्यूआई 322 रहा हैं। उधर प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर प्रशासन ने सोमवार को भी 12वीं तक के सभी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया है। उस दिन सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद प्रशासन स्कूलों को खोलने पर फैसला करेगा। कई दिन रेड जोन में रहने के बाद ग्रेटर नोएडा के वायु प्रदूषण में सुधार हुआ था। बृहस्पतिवार को ग्रेनो का एक्यूआई ऑरेंज जोन में 212 रहा था। जबकि शुक्रवार को एक्यूआई 262 रहा था। दो दिन की राहत के बाद शनिवार को एक्यूआई रेड जोन में 307 पहुंच गया है। जबकि पूरे दिन हल्की धुंध छाई रही। शाम को प्रदूषण का स्तर काफ बढ़ गया। वहीं नोएडा का एक्यूआई रेड जोन में बना हुआ है। एक्यूआई 312 से 322 पहुंच गया हैं। उधर वायु प्रदूषण बढ़ने से एक बार फिर लोगों को परेशानी होने लगी हैं। लोगों ने आंखों में जलन महसूस कीं। वहीं दो दिन की राहत के दौरान प्राधिकरण और यूपीपीसीबी के अफसर भी लापरवाही दिखे और कार्रवाई को रोक दिया गया। पानी का छिड़काव और साफ सफाई नहीं दिखी। निर्माण कार्य भी कई जगह पर चलता रहा।

शेष - यूपी की नौ में से सात...

परिणाम आ गया है। भाजपा प्रत्याशी शुचिस्मिता मौर्य के सिर जीत का ताज सजा है। उन्होंने अपनी प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी डॉ। ज्योति बिंद को 4936 वोटों से हराया है। शुचिस्मिता मौर्य को कुल 77503 मत मिले, जबकि सपा की डॉ। ज्योति बिंद को 72567 वोट मिले। वहीं बसपा प्रत्याशी दीपू तिवारी को 34800 वोट मिले।

कटेहरी विधानसभा सीट

कटेहरी विधानसभा सीट से भाजपा ने पूर्व कैबिनेट मंत्री धर्मराज निषाद को प्रत्याशी बनाया था।कटेहरी उपचुनाव में भाजपा के धर्मराज ने करीब 30 हजार मतों से जीत हासिल की है। धर्मराज निषाद को करीब 101751 वोट मिले हैं। दूसरे नंबर पर सपा की शोभावती वर्मा रहीं।

मिथलेश पाल, मंत्री अनिल व कपिल देव ने आम जनता का किया आभार व्यक्त

जीत का सेहरा बंधेगा कैबिनेट मंत्री अनिल व ऊर्जा राज्यमंत्री सोमेन्द्र तोमर के सिर

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। मीरापुर उपचुनाव की जीत के बाद मीडिया से मुखातिब होते हुए नवनिर्वाचित विधायक मिथलेश पाल ने सादगी के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रालोद मुखिया व केन्द्र सरकार के मंत्री जयंत चौधरी, स्थानीय बड़े नेताओं व मीरापुर की जनता व भाजपा-रालोद गठबंधन के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। इसी क्रम में कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार व राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जयंत चौधरी के प्रबंधन की संयुक्त जीत है। इस जीत का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कानून व्यवस्था, नीतियों की जीत बताया। उन्होंने महाराष्ट्र की जीत पर बधाई देते हुए कहा कि यह अभूतपूर्व जीत है। पूरे देश में महाराष्ट्र की जीत की जय-जयकार हो रही है, क्योंकि वहीं से पूरे देश की अर्थव्यवस्था चलती है। कैबिनेट मंत्री अनिल विधायक ने दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि बिना प्रबंधन के चुनाव नहीं जीता जाता और मिथलेश पाल को कम प्रतिशत में ही सही मुस्लिम मतदाताओं का भी योगदान मिला है। सभी वर्गों ने दलित, गुर्जर, त्यागी, पाल, पंजाबी एकजुट होकर मिथलेश को अपने वोटों का प्यारभरा समर्थन दिया। उसी के दम पर इतनी बड़ी जीत हासिल हुई है।

एक बूथ में ईवीएम नहीं दिखा पाई मत, पर्ची से हो सका फैसला

बेहड़ा सादात के बूथ 112 पर 52.87 प्रतिशत था मतदान

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। शनिवार को नवीन मंडी में चल रही मतगणना के बीच एक ईवीएम धोखा दे बैठी। जैसे ही बूथ की ईवीएम को काउंटिंग टेबल पर लगाते हुए जब गिनती के लिए स्विच ऑन किया गया, तो ईवीएम से परिणाम बाहर नहीं आए। तमाम प्रयासों के बाद भी ईवीएम वोटों के बंटवारे का ही प्रदर्शन नहीं कर पाई, ऐसे में यहां के मतों को पर्ची से फैसला किया गया। मीरांपुर चुनाव की मतगणना में जब 10वें राउंड की मतगणना शुरू हुई तो बूथ सं. 112 की ईवीएम को स्ट्रांग रूम से निकाल कर सुरक्षा के बीच मतगणना टेबिल तक पहुंचा। बेहड़ा सादात के मुस्लिम बाहुल्य बूथ प्राथमिक विद्यालय नं. 2 के कमरा नं. 2 में यह बूथ बनाया गया था। बूथ 112 की ईवीएम जब मतगणना एजेंटों के सामने मतों की गिनती के लिए प्रस्तुत कर चालू किया तो ईवीएम ही जवाब दे गई और मतों के बंटवारे का डिस्प्ले नहीं दे पाई। मतगणना कार्मिकों ने कई बार प्रयास किया, लेकिन ईवीएम नहीं चली। ऐसे में रिटर्निंग ऑफिसर को सूचित किया और तकनीकी रूप से भी ईवीएम को दिखवाया गया, लेकिन ईवीएम ने वोटों का प्रदर्शन नहीं किया तो इसे अलग निगरानी में रखवा दिया। जिला निर्वाचन अधिकारी को अवगत कराने के बाद 112 की गिनती पर्ची के माध्यम से की गई।

मुस्लिमों के दिमाग में पड़ गयी औवेसी की बात

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। धीरे-धीरे उत्तर प्रदेश ही नहीं पूरे देश में असदुदीन औवेसी अपना पूरा असर छोड़ रहे हैं। मीरापुर में अपनी सिर्फ एक रैली के दम पर अपने उद्बोधन से औवेसी ने इतना असर डाला कि उनके पक्ष में उनके प्रत्याशी को मुस्लिमों के 18869 वोट मिले। औवेसी के प्रत्याशी अरशद राणा का खुद का इतना असर मीरापुर विधानसभा पर नहीं था, मगर जिस दिन औवेसी ने अपनी जनसभा की और उसमें जो भीड़ जुटी उसने यह संदेह तो पैदा कर ही दिया था कि यदि यह भीड़ वोटों में कन्वर्ट हुई तो किसी भी सूरत में सुम्बुल राणा नहीं जीत पायेंगी। निर्बाध एक घंटा दस मिनट औवेसी तरह-तरह से तथ्यपरक बातें समाकर मुस्लिमों को यह समाने में खूब कामयाब दिखाई दिये कि उनका प्रत्याशी बेशक हार जाये, मगर मुसलमानों को अपना नेता बनाना ही होगा। उक्त जनसभा में उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा था कि मोदी अपने आपको ओबीसी का लीडर बताते हैं, मायावती अपने आपको दलितों की नेता बताती है, सपा मुखिया मुस्लिमों का वोट लेने के बाद भी अपने आपको यादवों का नेता मानता है, इसी तरह उन्होंने बताया था कि 2013 में कितने हजार मुस्लिम इसी मुजफ्फरनगर में इसी अखिलेश की वजह से घर से बेघर हो गये थे, यही सब बातें मुस्लिमों के दिमाग में पूरी तरह से घर कर गई, जैसा कि बुलेटिन के सामने औवेसी के मतदाताओं ने खुलकर यह बात कही थी कि हमें पता है कि हमारा प्रत्याशी नहीं जीतेगा, मगर हमारा मकसद अखिलेश को हराना है और आज मीरापुर सीट पर औवेसी के दिए भाषण का ही असर है जो वास्तव में अखिलेश की प्रत्याशी सुम्बुल राणा की हार हुई।

किसी भी राउंड मिथलेश से आगे नहीं हो पाई सपा की सुम्बुल राणा

मुजफ्फरनगर, 23 नवम्बर (बु.)। अधिकांश चुनाव में जीतने वाला प्रत्याशी व प्रतिद्वंद्वी किसी न किसी राउंड की मतगणना में ऊपर-नीचे एकाध बार जरूर होते हैं, मगर इस बार मीरापुर उप चुनाव की मतगणना में ऐसा कहीं नहीं दिखाई दिया। शुरू से ही मिथलेश पाल बढ़त तो बनाकर चली ही, साथ ही साथ 25 राउंड तक चली मतों की गणना में एक बार भी मिथलेश पाल पीछे नहीं हुई। मिथलेश पाल की विजयी बढ़त का ये रिकॉर्ड राउंड टेबल में साफ दिखाई पड़ रहा है।

चक्र	मिथलेश पाल भाजपा+रालोद	सुम्बुल राणा सपा+कांग्रेस	जाहिद हुसैन आसपा	मोहम्मद अरशद एआईएमआईएम	शाहनजर बसपा
01	4253	1698	1531	504	95
02	5116	920	1303	276	63
03	3597	2717	1332	506	88
04	5332	2734	977	431	75
05	5702	1078	1561	88	176
06	4977	2318	1486	435	95
07	2112	3417	1046	610	132
08	4275	2201	726	436	50
09	3952	2925	1122	495	166
10	3153	1802	1546	523	50
11	902	3323	682	1607	256
12	2009	2991	595	1847	459
13	3525	1934	894	1221	61
14	2712	2969	553	1961	43
15	3619	2748	602	1024	89
16	4645	1437	632	700	232
17	907	2825	784	1239	102
18	1919	2885	495	1442	45
19	2869	1894	435	1219	145
20	2112	3370	627	671	109
21	4688	1460	724	95	194
22	4620	1890	1338	1167	205
23	4303	1701	1002	358	220
24	2553	189	407	12	31
25	301	49	241	02	55
TOTAL	84,153	53,475	22,641	18,869	3,236

पंद्रह साल बाद मिथलेश पाल को मिला ढाई साल का विधायक पद

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। पंद्रह साल पहले मोरना विधानसभा सीट से जीत का परचम लहराने वाली मिथलेश पाल को पंद्रह साल बाद फिर से जीत का स्वाद मिला। हालांकि इस बार उन्हें ढाई साल की विधायकी पर सब्र करना होगा। रालोद-भाजपा गठबंधन से मीरांपुर सीट पर विजयी मिथलेश पाल 2009 में मोरना उपचुनाव में रालोद के टिकट पर चुनाव लड़ी और जीतकर विधानसभा पहुंची थी। इसके बाद साल 2012 में हुए परिसीमन के बाद यह क्षेत्र मीरापुर विधानसभा सीट के रूप में मशहूर हुआ। रालोद ने यहां साल 2012 और फिर 2017 में भी मिथलेश पाल को ही टिकट देकर मैदान में उतरा। 2012 के चुनाव में बसपा और रालोद के बीच सीधा मुकाबला हुआ। बसपा ने यहां पर मौलाना जमील कासमी को टिकट दिया। 56,802 वोट लेकर वो विजयी रहे, जबकि मिथलेश पाल को 44,069 वोट मिले और वह 12,733 वोटों के अंतर से चुनाव हार गई। 1995 में जिला पंचायत चुनाव के माध्यम से सियासत में आई मिथलेश पाल करीब पंद्रह साल खामोश रही। विगत दिनों वे भाजपा में चली गई थीं, लेकिन उनकी जीत के लिए नल का निशान ही फिर से मददगार बना। भाजपा से रालोद में जाकर टिकट पाने के बाद उन्होंने विधायक के रूप में लखनऊ का टिकट हासिल कर लिया। हालांकि यह कार्यकाल करीब ढाई साल का होगा।

मुजफ्फरनगर में सोमवार से फिर खुलेंगे सभी स्कूल

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। ग्रेप-4 के नियमों में ढील के हवाले के साथ मुजफ्फरनगर में स्कूलों को खोलने का आदेश दिया गया है। सोमवार से जिले के सभी स्कूलों में पूर्व की भांति शिक्षण कार्य होगा। तीन दिन पूर्व सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एनसीआर में ग्रेप-4 के नियमों के तहत प्रदूषण को देखते हुए पूरे एनसीआर क्षेत्र में बारहवीं तक के स्कूलों को बंद रखने के आदेश जारी किए गए थे। आज जिलाधिकारी ने स्कूलों को सोमवार से फिर खोलने के आदेश जारी किए हैं। इसमें कमीशन फोर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट इन नेशनल कैपिटल रीजन के पत्र का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार ग्रेप-4 के बिंदु 5 में शिक्षण संस्थाओं से संबंधित निर्देश में परिवर्तन की का हवाला देते हुए कहा गया है कि ग्रेप-4 के तहत स्कूलों की बंदी का आदेश राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के साथ गुरुग्राम, फरीदाबाद,गाजियाबाद तथा गौतमबुद्ध नगर जिलों में अनिवार्य रूप से लागू होगा। एनसीआर के दूसरे जिलों में स्कूलों की बंदी को लेकर अन्य जिलों में प्रदेश सरकार अपने स्तर से निर्णय ले सकती है। इसमें कहा गया है कि मुजफ्फरनगर जिले में परिवेशीय गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में नहीं है। ऐसे में स्कूलों को पुनः खोले जाने के आदेश दिए गए हैं। इन आदेशों के आधार पर बीएसए संदीप कुमार से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि सोमवार से स्कूल पूर्ववत खुलेंगे। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने इस आशय के आदेश जारी कर दिए हैं।

नगर का एक्यूआई 273

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। जनपद में प्रदूषण की स्थिति लगातार खराब बनी हुई है। आज भी नगर में एक्यूआई 273 पर दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार मुजफ्फरनगर में आज एक्यूआई 273 पर दर्ज किया गया। इसे खराब श्रेणी में आंका जाता है।

सपा के गढ़ में भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह ने 1.43 लाख वोटों के सबसे बड़े अंतर से दर्ज की जीत

मुरादाबाद, 23 नवंबर (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रामवीर सिंह ने सपा के प्रत्याशी और गढ़ कहे जाने वाले कुंदरकी में मोहम्मद रिजवान को सबसे अधिक अंतर से हराकर नया इतिहास रच दिया है। यह तीसरी बार था जब रामवीर सिंह ने रिजवान के बीच मुकाबला हुआ। पहली बार भाजपा को यहां से जीत मिली। यह जीत रामवीर सिंह के लिए एक अहम राजनीतिक मील का पत्थर है बल्कि भाजपा के लिए भी कई मायनों में ऐतिहासिक है। रामवीर सिंह ने सपा के उम्मीदवार मोहम्मद रिजवान को 144742 वोटों से हराया। भाजपा को 170303 वोट जबकि रिजवान को 25,561 वोट मिले। कुंदरकी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के प्रत्याशी रामवीर सिंह ने 32वें राउंड की गिनती के बाद ऐतिहासिक जीत हासिल की। मूंढापांडे के दौलारी निवासी रामवीर सिंह ने 1993 में भाजपा से अपना राजनीतिक सफर शुरू किया था। पार्टी में उन्होंने जिला महामंत्री की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। सीएम योगी के करीबियों में उनकी गिनती होती है। 2007 में रामवीर सिंह देहात विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे। इस चुनाव में सपा प्रत्याशी उस्मानुल हक को 49,194 मत और भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह को 46,034 मत मिले थे। रामवीर सिंह लगभग तीन हजार मतों से चुनाव हार गए थे। 2012 में भाजपा ने रामवीर सिंह को कुंदरकी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा था। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी का मुकाबला सपा प्रत्याशी रिजवान से था। इस चुनाव में सपा को 81,302 और भाजपा को 64,101 मत मिले थे और रामवीर सिंह को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा था। 2017 में भाजपा ने रामवीर सिंह पर फिर भरोसा जताया और उन्हें कुंदरकी विधानसभा सीट से मैदान में उतारा। उनका मुकाबला सपा प्रत्याशी रिजवान से हुआ। रिजवान को 1,10,561 मत और भाजपा प्रत्याशी रामवीर सिंह को 99,740 वोट मिले थे। इस प्रकार रामवीर सिंह 10821 मत से दोबारा मोहम्मद रिजवान से चुनाव हार गए।

योगी ने कपिल को फोन कर दी मिथलेश की जीत की बधाई

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिथलेश पाल की विजय पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के कौशल विकास राज्य मंत्री कपिलदेव अग्रवाल के फोन पर बातचीत करते हुए उनके माध्यम से मिथलेश पाल की जीत पर शुभकामनाएं देते हुए इसे गठबंधन के कार्यकर्ताओं के परिश्रम का प्रतीक बताया।

जब मिथलेश पाल से मिलीं सुंबुल राना

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (बु.)। चुनाव प्रचार के दौरान चाहे जो तीर छोड़े गए हों लेकिन आज मतगणना के दौरान जब रालोद भाजपा गठबंधन प्रत्याशी मिथलेश पाल और समाजवादी पार्टी प्रत्याशी सुंबुल राना मिलीं तो उनके चेहरों पर किसी तरह की कटुता नहीं थी। मिथलेश ने सुंबुल के साथ मां बेटी का रिश्ता बताया और दोनों ने मतगणना से पूर्व वी का सिंबल बनाकर अपनी-अपनी जीत का भी दावा किया। इसके बाद मतगणना शुरू हुई तो तीन चार चक्र के बाद सुंबुल राना मतगणना केंद्र से गायब हो गईं।

हम भाजपा के समर्थक, मजदूर नहीं हैं, हिस्सा बराबर चाहिए: संगीत सोम

बोले : मौलवी अनपढ़ व गंवार, जब चाहेंगे, तब क्लास लगा देंगे

मुजफ्फरनगर, 23 नवंबर (एजेंसी)। भाजपा के फायर ब्रांड नेता तथा सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम ने राजपूत समाज से आह्वान किया कि कहीं भी बंधुआ मजदूर मत बन जाना। हम भाजपा के समर्थक हैं, लेकिन मजदूर नहीं हैं। हिस्सा हर जगह बराबर चाहिए। उन्होंने बंटेंगे तो कटेंगे का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस को वोट देने की बात कहने वाले मौलानाओं से डरना नहीं है। महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए संगीत सोम ने कहा कि मौलवी अनपढ़ गंवार हैं, इन्हें कौन पूछता है। आप इकट्ठे रहो, इनकी तो जब चाहेंगे, तब क्लास लगा देंगे।

शुकतीर्थ स्थित चौहान क्षत्रिय धर्मशाला में चौहान क्षत्रिय कल्याण महासभा के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें क्षत्रिय समाज के मेधावी छात्र छात्राओं, ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि संगीत सोम ने कहा कि मदरसे में आतंकवाद का पाठ पढ़ाया जाता है। बच्चों को गलत काम सिखाते हैं, बच्चों को पढ़ने की शिक्षा नहीं दी जाती। बटेंगे तो कटेंगे, बयान का समर्थन करते हुए कहा कि यह बात क्षत्रिय समाज पर सबसे ज्यादा सटीक बैठती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में किसी मौलाना ने कहा कि सब इकट्ठे होकर कांग्रेस को वोट दो। आप इकट्ठा हो जाओगे तो भाजपा को कोई देश में हरा नहीं सकेगा। अधिवेशन में राष्ट्रीय सनातन बोर्ड की स्थापना करने, वन नेशन वन इलेक्शन प्रणाली को लागू करने, गुरुकुल शिक्षा बोर्ड की स्थापना करने, देश में तब्लीगी जमात को बैन करने व मदरसा बोर्ड को राष्ट्रीय स्तर से समाप्त करने का प्रस्ताव लाया गया। सोम ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि जो संगठन के अध्यक्ष हैं, उन्हें गंगाजी में फेंक देना चाहिए। ऐसा नहीं कहना चाहिए। किसी भी समाज का अपमान ना करें। हमें अपनी कमियों को भी देखना होगा। समाज की अच्छाई बताए। इतिहास से अगर क्षत्रिय समाज का नाम निकाल दिया तो दो क्या एक पन्ने का भी नहीं बचेगा।

'देवेंद्र पीएम मोदी का चहेता, सभी चाहते हैं वो सीएम बने'

मुंबई, 23 नवंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद सबसे बड़ा सवाल ये है कि राज्य का अगला मुख्यमंत्री कौन बनेगा? और महायुति घटक दलों में किस पार्टी के मुखिया को क्या पद मिलेगा? इन सवालों के बीच इससे जुड़ी कुछ प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी है। इसमें जो नाम जुड़ा है, वो राज्य के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस की मां सरिका फडणवीस का है। दरअसल, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की मां सरिता फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उनका बेटा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'पसंदीदा' है और भाजपा में हर कोई चाहता है कि वह महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बने। सत्तारूढ़ गठबंधन के विधानसभा चुनावों में भारी जीत हासिल करने की ओर अग्रसर होने के बीच नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनका बेटा चुनौतियों से पार पाना जानता है। सरिता फडणवीस ने आगे कहा, पार्टी में हर कोई चाहता है कि वह अगला मुख्यमंत्री बने। यह स्पष्ट है कि अन्य लोग भी चाहते हैं कि वह यह भूमिका निभाए। वह वास्तव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पसंदीदा है, जो उसे अपना बेटा मानते हैं। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की अथक मेहनत और लोगों के प्यार ने उन्हें यह जीत दिलाई। पिछले दो वर्षों में विपक्ष की तरफ से उनके बेटे को निशाना बनाए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, यही कारण है कि उन्होंने खुद को आधुनिक समय का अभिमन्यु बताया। वह जानते हैं कि चुनौतियों का सामना कैसे करना है।

दयानंद धर्मशाला में बैठे डॉ. संजीव बालियान, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, पूर्व मंत्री योगराज सिंह व गठबंधन के अन्य समर्थक

पीएम मोदी ने कहा- 'एकजुट होकर और ऊंची उड़ान भरेंगे'

नई दिल्ली, 23 नवंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बड़ी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने इस जीत को ऐतिहासिक बताया। इसी के साथ उन्होंने महाराष्ट्र के लोगों को आश्वासन दिया कि गठबंधन राज्य की प्रगति के लिए काम करता रहेगा। बता दें कि विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी को हार का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र में महायुति की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, "एक साथ होकर हम और भी ज्यादा ऊंची उड़ान भरेंगे। महाराष्ट्र के भाइयों और बहनों, विशेषकर राज्य के युवा और महिलाओं का एनडीए की ऐतिहासिक जीत के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं लोगों को आश्वासन देता हूं कि हमारा गठबंधन महाराष्ट्र की प्रगति के लिए काम करता रहेगा।" केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी महाराष्ट्र के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "जय महाराष्ट्र। इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए महाराष्ट्र की जनता का कोटि-कोटि वंदन। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबासाहेब आंबेडकर जी, ज्योतिबा फुले जी और वीर सावरकर जी की पुण्यभूमि महाराष्ट्र ने विकास के साथ-साथ संस्कृति और राष्ट्र को सर्वोपरि रखने वाले महायुति गठबंधन को इतना प्रचंड जनादेश देकर भ्रम और झूठ के सहारे संविधान के नकली हितैषी बनने वालों की दुकान पर ताला लगाने का काम किया है। यह जीत हर एक महाराष्ट्रवासी की जीत है।" प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ाारखंड में झामुमो गठबंधन के प्रदर्शन के लिए उन्हें बधाई दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, "मैं झारखंड के लोगों का हमारे प्रति उनके समर्थन के लिए धन्यवाद करता हूं। हम लोगों के मुद्दों को उठाने और राज्य के लिए काम करने में हमेशा आगे रहेंगे। मैं झामुमो को उनके प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।" झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजों पर भी अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, "झारखंड में भाजपा को सबसे अधिक मत प्रतिशत का आशीर्वाद देने के लिए प्रदेश वासियों का आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही, झारखंड भाजपा के सभी कार्यकताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

शेष - एनडीए की सुनामी में धराशायी हुई कांग्रेस ...

पार्टी छोड़ी थी। इस चुनाव से पहले प्रचार के दौरान पक्ष-विपक्ष द्वारा दिए गए कई नारों ने लोगों का खूब ध्यान खींचा, लेकिन लोगों के दिलो-दिमाग और जुबान पर केवल मोदी-योगी का नारा (बंटेंगे को कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं) ही चढ़ सका। महाराष्ट्र जैसे बड़े राज्य में हार से कांग्रेस की राजनीतिक ताकत कमजोर हो सकती है। नांदेड़ लोकसभा सीट पर उप चुनाव में हार के बाद कांग्रेस की लोकसभा में सदस्यों की संख्या घटकर अब 98 रह गई है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी (एवीए) के घटक के रूप में कांग्रेस ने 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन 16 सीटों पर ही जीत हासिल कर सकी। एमवीए के खराब प्रदर्शन ने भविष्य में राज्य से राज्यसभा सीटें मिलने की उम्मीदें भी खत्म कर दीं हैं। दूसरी ओर, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शानदार जीत हासिल करते हुए संसद के उच्च सदन के लिए आगामी द्विवार्षिक चुनावों में बहुमत हासिल करने के लिए तैयार है। एमवीए की एक प्रमुख पार्टी होने के बावजूद कांग्रेस विपक्षी गुट का ज्यादा वजन अपनी ओर खींचने में विफल रही और एनडीए की सुनामी के सामने धराशायी हो गई।

एमवीए के सहयोगियों के बीच कांग्रेस ने सबसे अधिक विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ा। उसने 288 में से 101 सीटों पर चुनाव लड़ा। लेकिन 16 फीसदी के स्ट्राइक रेट के साथ केवल 16 सीटों पर जीत रही है या आगे चल रही है। वहीं, शरद पवार की राकांपा (एसपी) का सबसे खराब स्ट्राइक रेट (11.6 फीसदी) रहा। पार्टी 86 सीटों पर चुनाव लड़ी, जिनमें से दस सीटों पर ही बढ़त बनाए हुए या जीत गई है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) का स्ट्राइक रेट 22 फीसदी रहा। इसने 95 सीटों पर चुनाव लड़ा। अभी 21 सीटों पर बढ़त बनाए हुए है या जीत गई है। दूसरी ओर भाजपा का स्ट्राइक रेट 88.6 फीसदी रहा। यानी उसने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा और उनमें से 132 सीटों पर जीत रही है या बढ़त बनाए हुए है। भाजपा का वोट शेयर 26.46 फीसदी रहा। उसके बाद शिवसेना को 12.47 फीसदी और राकांपा को 9.35 फीसदी वोट मिले। एमवीए में कांग्रेस को सबसे अधिक 11.89 फीसदी वोट मिले। उसके बाद राकांपा (शरद पवार) को 11.25 फीसदी और शिवसेना (यूबीटी) को 10.28 फीसदी वोट मिले।

हरियाणा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में हार ने कांग्रेस को कमजोर कर दिया। कांग्रेस नेतृत्व राहुल गांधी की रणनीतियों पर भी सवाल उठा सकते हैं, क्योंकि उन्होंने हाल ही में जाति जनगणना और अदाणी-अंबानी के मुद्दों पर फोकस किया है, जिनका आम जनता के बीच ज्यादा असर नहीं दिखा। हालांकि, केरल के वायनाड में लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी की जीत से कुछ राहत मिली है। साथ ही कर्नाटक में तीन विधानसभा सीटों के उपचुनाव में कांग्रेस ने जीत दर्ज की। लेकिन ये जीत कांग्रेस समग्र हार की तुलना में कम मायने रखती है।